MSS No. 435 Subject Kavya

Name of MSS Sudha Sarovar

Author Bhola Nath

Period ______ Folios 146

Script Devnagiri Source Bala Sahai Shastri, Alwar, Rajasthan

Missing Folios ______

सुधा सरोवर; भोलानाथ कृत;
राजगढ़ निवासी बलदेव ने संतोष
राम लिपिकार से सोमवार, मध्पर
वदी ... १८६७ वि० लि०
७३ पत्रक ॥ ल० म० ॥ पं० प्र० ...





(१)

॥श्रीरांमजी

1 ॥ॐश्रीगणेशायनमः॥श्रीदुर्गादेव्यैनमः॥दोहा॥एकअनेकनमै
रम्यो [illegible] नहिजाहि॥जातैंजगमगरतनयौवरनिस
कैं [illegible] रपटछबिछोर [illegible] कीयोसबजगतमैजाकारनजगदीस
नबी [illegible] जगनिसदानिवांडसीस॥२॥अंतछूडे
हैफंदतैंदा [illegible] यानिधांन॥नबीमहम्मदमुस्तफासोनिह
चैपहिचान॥३॥अथदिल्लीपतिवरननं॥महमदसाहदिनेस
कौछायोबहुप्रताप॥तमसेअरिकुलमिटिगयेडारिदियोक
रचाप॥४॥ [illegible] चरतकरिकैकोपअसबाछततेगमयान॥महमद
साहनआवहोयचित॥पहिलेपयान॥५॥तिहकोमंत्रीविंबतेज्यो

प्रतिबिंबसुधामे॥ प्रगटनयोसबजगतमैंलुतफुह्नाषांनाम॥६॥
ताकौपुत्रप्रसिद्धजोजानतसकलजहांन॥ षांनईनायतषांक
लीरासिकरसिकसुजांन॥७॥ निसदिनधरणी [illegible] ननी
रग्रासार॥ कियोइनायतषांसुबुधधनस [illegible] क
हीनाग्रंथसोतिनइतीग्रंथबहुतसंसार॥ [illegible] मैं [illegible] लेबु
रेमिलिकरिरहेउदार॥८॥ तातेतिनमैंतलक्ष [illegible] धबललेहु
निसारि॥ जाकोंसबहीरसिकजनहरषतहोंहिनिहारि॥१०॥ तातैं
रचिपचिसुबुधिबलग्रंथउदधिमथिलीन॥ जोको उचुकोंजुहो
छिमिश्रौरसिकप्रबीन॥११॥ जोलानाथसुब [illegible] कियोसुधासरो
वरनांम॥ रसिकहांसबिहरोतहांपी [illegible] ॥ सनेह

सैंइक्याणवैं संबत बिक्रम नाह॥ क्वार बिजय दसमी गुरौ अगट्यौ यह
जगमाह॥२३॥ तरणि अंस तै मूरबर बंस महम्मद साह॥ ग्रंथ कियो
त्तिहि राज मैं सुनिह होत उतसाह॥२४॥ मोर मुकट बंसी अधर कटि
पर पट छबि छोर कोल्ह मैं ललवा सिबदन जय जय जुगलकिसोर
२५॥ अथ सकल रसिव..तिन मैं मं..करि श्रंगार रस निरूपनं॥ सोर
ठा॥ अर्थ धर्म तें जान काम अंम...तो होत है॥ तातें कहत निदांन सु
षकौ सार सिंगार रस॥२६॥ दोहा॥ ताके कारन भाव है थिति बि
भाव अनुभाव॥ सात्विक संचारी य अरु छठ यौं बरनहु हाव॥१७॥ था
र बिंदु...रहके तिन मैं पहिलौ प्रीति॥ ताहि बषान तु हौं सुकबि लै
...रील नय रीति॥२८॥ अथ थाई भाव लछण॥ प्यार के देषे सुनै अ
न भाव होय चित॥ पहिलौ अंकुर रति कह्यौ बदै सिंगार सहित॥१९

२ यथा॥ संगनसहेलीकेलिकरतीग्रकेलीएककोमलनवेलीबर
बेलीमानुहेमकी॥ लालचमरेसेलषिलालचलिग्रायेसोचिलो
चनलचायरहीरासिकुलनेमकी॥ देव[illegible]जायउरमालउरझ
कौ यकछ्योदीजोसुरझायबातेंपूछिसुबुधि[illegible]इकसुभायमोरेस
मकेसमीपग्रायगाठहिछुटाईबहुतसंसइप्रेमकी॥२०॥ दोहा॥ फिर
फिरिकछुकरियोरितेंफिरिचितइंतुसेकाय॥ ग्राईजोवनलेन
कौनेहहिचलीजमाय॥२१॥ बरवै॥ प्रेमप्रीतिकोबिरवाहिचलहुल
गाय॥ सींचईकीसुधिलीहुबिसरिजिननजाय॥२२॥ अथबिभाव[illegible]गु
रसकोंकरतबिसेषतेतेबिभावकहिवादि॥ ग्रालंबनउद्दीसुधासर
पतिबिधिबनग्रादि॥२३॥ दंपतीनुग्रालंबिकैरसउपजतुहनत
दंपतिग्रालंबनकहेरससिंगारकेहित॥२४॥ दंपतिकहीयेनाई

काअरु नाइक रस अैन॥ पहिले बरनहु नाईका पुनि नाइक सु निबैन॥२५॥ अथ नाईका॥ लक्षणं॥ देषत ही जाके सुबुध मन मैं बाढै प्रीति॥ ताहि बषांनत नाइका कबिबर गहि रस रीति॥२६॥
यथा॥ कुंदन कौ रंग फीकौ लगै झलकै असी अंगनि चारु गुराइ॥ आषिन मै अलस ... तोन मै मंजु बिलासनि की सरसाइ॥ को बिन मोल बिकाइ ... हा मति रां मल है मुसिकानि मिठाई॥ ज्यौ ज्यौ निहारियै नीरे ह्वै नैननि त्यौं त्यौं षरो निषरै सी निकाई॥२७॥
वह षंजन से दृग मंद हंसी मृदु बैन गुलाब से आनन की॥ वह ... स्न बिंदु बिराजत भाल बडी बरुनीन बितानन की॥ वह छबो ... छाती छकी छबि मैं बडी बैनी बिलोकति बानन की॥ वह आषिन आगै तै टारी टरै न नई प्रतिमूरति प्रानन की॥२८॥ दोहा॥

मिलिचंदनबेंदीरहीगोरेमुहनलषाइ॥ज्यौंज्यौंमदलालीचढै
त्यौंत्यौंउघरतिजाइ॥२९॥बढतिनिकसिकुचकोररूचिकढ
तिगोलभुजमूल॥मनलुटिगोलौटनचढतचिहुटतउचेफू
ल॥३०॥बरवै॥कनकबरनतनहियरामुतियनहार॥बाढैस
जुबनाहेरइअतिसुकुमार॥३१॥अ[illegible]नेद॥कहीनाइका
तीनबिधिसुनियौंसोकरिप्रीति॥सुकि[illegible]परकीयाअवरसौं
मान्यांइहिरीति॥३२॥अथसुकीयालक्षण॥जाकेतनमनब
चनकरिअपपतिसौंनितप्रीति॥परपतिसौंअतिबिमुषयह
कहुसुकियाकीरीति॥३३॥यथा॥लषिसासुहिहासुछि[illegible]
रहैननदीलषिज्यौंउपजावतिनीतिहिं॥सोतिनित्यौंसतराति
चितौतितिजिठानिनुसौजियठानतिप्रीतिहिं॥दासिनहूंसोउदा

सनदेवबछवतिप्यारेसोंप्रेमप्रतीतिहिं॥धाइसौंधुजैबातैंबि
नैकीसषीनसोंसीषैसुहागकीरीतिहि॥३४॥उतसारसनारक
रैघरकीईतनाहकेनैननेहीमहँडोलति॥मंडनबेसभरिबी
रीबनायलुगायनसोंगढिबाततिछोलति॥षेचकेंआँचरू
दांतसोंदाबिघ[illegible]ीकमघूघटषोलति॥जासोंकछूहँसि
बोलतलालवहीपुनितासौंबुलाइकैबोलति॥३५॥दोहा॥जा
नतिसोतिअनीतिहैजानतिसषीसुनीति॥गुरुजनजानतऽ
लाजहैप्रीतमजानतुप्रीति॥३६॥बरवै॥चरचैकोबरपाक्यो
चढिकोषाइ॥केषैहैवाकोबलमाकेझरजाइ॥३७॥अथसु
कीयाभेददोहा॥स्वकियाकहीयेतीनबिधिमुग्धामध्याप्रौ
न॥प्रोढहैपुनितीसरीग्रंथनिकेपरमान॥३८॥अथमुग्धाल

६४ लक्षणं॥नवजोबनआवतजबैजाकेहोयसरीर॥तासौंमुग्धाक
हतहैंजेबिसेषकरिधीर॥३९॥यथा॥नैकुमंदमधुरकपोलमु
सिकानलागेनैकुमंदगमनगयंदनिकीचालमैं॥रंचउच्चौंअं
चलउरोजनिकेअंकुरनिबंकडीठनैनजुगनैसुकबिसाल
मैं॥मतिरामसुकबिरसीलेकछुबैननयबदनसिंगाररस
बेलआलबालमैं॥बालतनजोबनलउलहतलषि
सौतिनकीसालमैंनिहालनंदलालमैं॥४०॥सासुनिहारि
केकोमलअंगनिप्यारीबहुकेमहासुषपावै॥धाइबिलोकि
केइंदुसौआननहोतनोछावरिडीठनुलावै॥लालनहेरिकै
वोछेउरोजनिफूलनकेहरवापहरावै॥सौतिसराहतिरू[illegible]
नवेलीकौआलीलैलैनरिअंकलगावै॥४१॥दोहा॥देहदुलह
कीचढ़ज्योंज्योंजोबनजोति॥त्योंत्योंलषिसौतेसबैबदनमलीन

१ नइतिहोत॥ ५२॥ बरवै॥ कनकसाँटजसलहलह्असगइ बाढ
करगहीलीनन्नतरवांलैचगइठाढ॥ ५३॥ दूधदहीकईपोषी
लगतसबाढ॥ हाथनउठैदेंघइना बिहसईठाढ॥ अथमुग्धाल
छणंबरननं॥ द्विविधिभेदमुग्धाकहीइकअज्ञातरुज्ञात॥ एही
बिधिमुग्धाकह [illegible] बीनरसजात॥ ५४॥ अथअज्ञातजोब
ना॥ प्रगट्यौजोबन [illegible] नेजांनिपरतुनहिंजाहि॥ सुकहीयेअज्ञात
जोबनाकबिबरबरनैताहि॥ यथा॥ बादतिहैइनहीबदलीअजहू
लरकापनआपुहीजांनें॥ हैछतियांकीसुधौनकछूयहगाठेनइझ
गरौकितठानौ॥ नाहकलागतिधौंबिनसौंसुजितीबिनतीकरियेसु
नमांनौ॥ सांषिनहूंछरतीयाषिनदेषतिआपुनीओरअंगियानपिछानै॥
५६॥ माईरीआजुगइहुतीषेलनआनिमिल्योइकसावरोसोहै॥ बार

५१० बडीकलोंचाहिरह्यौबडडीअँषियाँनअरूछठबडोहै॥ मेरियैबैंनी
गहैमुहिपूछतकोनकीहैरीतूँअंगनिजोहै॥ हेरिहसीब्रषभानवधूजि
नषेलनजाउकोजानैंधोंकोहै॥ ४७॥ दोहा॥ षेलतहीसबसषीनमैंषे
लनषेलअघाई॥ हेरकंचुकीआपुनीससहरगइहिराई॥ ४८॥ बरवै॥
धोंसौदैइदरजोयहिझगरसिठाढि॥ जोइजो[illegible]अँ[illegible]पियासीवधिसोइसोइ
गाढि॥ ४९॥ ष्यालतष्यालतअंगीयाहैगइ[illegible]॥ हियराहेरिछुहरियाँ
रहिगईठाढि॥ ५०॥ अथज्ञातजोवनालक्षणं॥ आयौजोबनअंगमेंजोजा
नतहैबाम॥ कबिबरतासोंकहतहैंज्ञातजोबनानाम॥ ५१॥ यथा॥ छो
टीसीआपुछवानिलोंबारछपाकरसेमुषकोछबिछावै॥ मोतिनकेग
हनेपहिरैंहरितासकीकंचुकीगाठबनावै॥ ज्योंज्योंउरोजनपैकबि[illegible]
नाथसषीमुसिकाइकैकोलचलावै॥ त्योंत्योंषिझैबितरैवहबालझुकै

सतराइ धरीइतरावै ॥५२॥ ना दिन वे चतुराइ रची अब मोसों कौ देति अ
यांन पनो पुनि ॥ उपर तें उतरी चित चाइन नाइन की जब कांन परी धुनि
आलि लगी जननी के बयेह सि हा हसि ष्याल रच्यो अचरा खुनि ॥ तू तब
लौं न टरी जब लौं सब सासुरे की बतियां न लई सुनि ॥५३॥ बरवै ॥ उकसी
अंगिया घाषति [illegible] जाइ ॥ डीठ बचाई छुह रिया कसइ तराय
५४ ॥ मारग जात दुपहरा आप अकेलि ॥ परछैं हियातन चितवृ तअं
ति अलबेलि ॥५५॥ अथ बैससंधि लच्छण ॥ बालापन तरुनापनो ज
बहीं होय समांन ॥ बयससंधी तबहीं लषैं होत अधिन सुजांन ॥
५७ ॥ यथा ॥ लोचन जुगल थोरे थोरे से चपल सोइ सोभा मंद पव
न चलत जलजात की ॥ पीत हैं कपोल तहां आइ अरु नाइ नई ता
ही छबि करी ससि आनापात पातकी ॥ सेनापति कांम नृप सोवतु

१२ सोजागतुहै उजुलबिमलदुतिपैयेगातगातकी ॥ सैसवनिसांनीनिसां
जोवनैदिनैउदोतेवीचबालबधूपाईझांईपरभातकी ॥ ५९ ॥
सिसुतासिधाईनाहिआइतरुनाइ दुहूंबैसकेसुनाइनतैकरतिन
रतिहै ॥ जैसैअनिजितबिचउतराश्रवनहोतजैसैंनरीघरीबार
ठरतलगतिहै ॥ ऐसीबैसनइजैसैंकनक [illegible] ताकीसुईपूरतौल
इतउतनेकुनझुकतिहै ॥ महाकबिश्रीध [illegible] नोकीसाथसखीय
नकोंसकुचतसकुचकरतसकुचतिहै ॥ ५९ ॥ दोहा ॥ ललितास
लितामैंधसीत्तरिअजुरीजललेति ॥ बालापनकोसंकल्पअरघ
जोबनैदेत ॥ ६० ॥ बरवै ॥ अरुणपिअरइमुहपरजेसबिहान ॥
ससिरीश्रावअमतपीयेतमान ॥ ६१ ॥ सिसुतानइलखांशिबहिम
नमथबेल ॥ हरहरहरकरिपुजहिंकोटकछेल ॥ ६२ ॥ अथनवोढ

13 कोटिजतनकीजेतउपतिहिनपलकपत्याय॥जाकेहियअति
लाजडरसोनवोढकहिजाइ॥६२॥यथा॥साथसषीकेनइदुल
हीकोंनयोहरिकोंहियोहेरिहिमंचल॥आइगयेमतिरामतहां
घरजानिइकंतअनंतसोचंचल॥देषतहीनंदलालकोबाल
केपूरीरहेअसु[illegible]गंचल॥बातकहीनगइसुरहीगहिहा
थदुहुंसोंसहेली[illegible]अचल॥६३॥होरीमेंआजुनिजेरंगरोरीके
आपनोपीअपनेबसकैलै॥योंकहिदेवसषागहिगोरीको
लाइहेगोकुलगावकेंगेलै॥लाजकीगारीसुनीकबहूंनसुगा
वतलोगलगावतछैलै॥षेलतफागुनइदुलहीदृगआंसुनि
लौलउसासनिलैलै॥दोहा॥मानहुमुषदिषरावनीदुलहीनि
करिअनुराग॥साससदनमनललनहूंसोतिनदीयोसुहाग॥६४॥

७ 14

बरवै॥ दुलहीकोसंगल्याईसषीबहराइ॥ घापतहीवहबल
महिगइहहराय॥ ६६॥ लहलहातनवजुबनाअतिअलबे
ल॥ सबियनघाटबलमतनलषइनवेल॥ ६७॥ अथनवो
ढाकौसुरतांत॥ मनभावनकेढिगतेउठिभांमिनिभोरहीभू॥
षनहाथलियें॥ रंगभीनकेभीतरभाजि[illegible]यनारनरीअ॥
तिलाजहियें॥ सजनीजनतेंदुरिकैकबिदेव निहारतहार॥
बिहारकियें॥ तियबारहीबारसवारहीकीनिरवारतिबार॥
किवारदियें॥ ६८॥ बिथुरीअलकेंझलकेंश्रमबारीसषीको॥
गहैंकरहालतिसी॥ दृगनीरभरैमुषऊचीउसाससुगंधसो

15

दिसतचालतिसी॥ रघुनाथमतंगजकीगतिगोपिगहैंपिय
पेसिसपालतिसी॥ तियजागिचलीरतिमंदिरतैसबसौतिन्के
उरमालतिसी॥६९॥ दोहा॥ मौंनकौंनतैंकढतिनहिकरतिनउ
चीनारि॥ ननदरि[illegible]रांनीहेरितनकरतकलोलअपार॥ बरवै॥
धकधककछतियांह्वारइटूटउहार॥ ठाढिसमांजउबरियासु
रङ्इबार॥७०॥ अथविश्रब्धनवोढा॥ दोहा॥ लागेंकछूपत्यानजो
प्रीतमकेसंगबाम॥ केहैंसबैकबिनासोबिश्रब्धनवोढनीत
म॥७१॥ यथा॥ करिकरिबचनबहराइबैठाइढिगबातनिल
गाइकीनीनावतीवाघटकी॥ हरैंहाथलाइसुरझाईमालउर

८ 16 डीउरबेसरबनाइ निरवारी लटग्रटकी ॥ देतहसिउतरहीऽ

सुधासरोवर

ओरदसामइबीरऔचक हीतनीजबकंचुकीकीझटकी ॥ ४

ज्यौंज्यौंलालभुजनरिहठकरैंगरैंलाइ त्यौंत्यौंबालपरैपरजं
कपैतेंलटकी ॥ केलिकैरातिअघानेनहीदिनहीमैंललायुनि
घातलगाइ ॥ प्यासलगीकोउपांनीदैजाहुभीतरीबैठिकेबा
तसुनाई ॥ जिठांनीपठाईगइदुलहीमातिरामहरैंहसिहेरिबुला
इ ॥ काहूकेबोलमेकांननदीनोंसुगेहकीदेहरीपैधरिआई ॥
॥७३॥ दोहा ॥ छोरीलाइसुननकीकहिगोरीमुसक्यात ॥ थोरी
थोरीसकुचसोंनोरीनोरीबात ॥ बरवै ॥ फलबनक्यारबल

17

मवांहरवाघात॥ तरसइहारिहियरवावनइनल्यात॥ ७५॥
अथसुरतांत॥ अनंतअधारैं।सिधारेहेरीवृषभांनसुतानइ
आलसनारी॥ सोनतघोसकितीकचब्बोसुसषीमुषदेषन
कोंपगधारी॥ उघस्योउरआंचरछंपिछियौउरझीलटबेसर
सोंनिरवारी॥ हाथतैंठोडीउठाइकह्योबलियेइहैरातिकीस
मनहारी॥ ७६॥ दोहा॥ छुटेचिहुरदृगअधषुलेनाछनीछपगदे
ति॥ अजोंमिटीनहिधकधकीमुहपीरीनहिचेत॥ बरवै॥ मइ
लविहानचलीसउठिडगमगचाल॥ सषिसबकरइठठुली
यांधापतहाल॥ ७७॥ अथमध्यालक्षणं॥ लाजकांमजाकेंजबैं

होतसमांनसुजान॥तासौंमध्याकहतहैंकोबिदकलानि
धांन॥यथा॥बैठेढिगआइजदुराइमुसिकाईबातनेहकी
चलाईकैजताईमोसौंरातिहै॥हाथगहिलीनोंहठकीनोंउर
लागिबेकौंमैंनरूषदीनोंनेंअधीनोंआलीआतिहै॥गोपकबि
कहिकछूरसकीपहेलीतबसोंहमोहितेरीमेरीनइयहगति
है॥मैंनकहैमौनदाहितनकहैंनेंटौंताहिप्रेमकहैसोहैंचाहि
लाजकहैमतिहै॥७८॥येकसमैबिहसैंरसमैंरसषेलमच्योहु
लहीअरुनाहैं॥इतअंकवारीकीहारबरीउतमंडनलालको
लाग्योछलाहैं॥जीतकौपासोपर्‍योपियकोसजनीनिकही
जूहमारीबिदाहैं॥लालरहेअंगियातनचाहितियामुसिकाई

दियातनचाहैं॥८९॥दोहा॥सकुचिसरकिपियनिकटतैं
पुलकिकछुकतनतोर॥करअंचराकीवोटकरि जमुहाइमु
हमोर॥९०॥कहतनटतरीझतहटतलषिषीजतलजिजात॥नरैमौ
नमेंकरतहैनैननहीसबबात॥९१॥बरवै॥रतिकइसुरतदिवाइ
ललमसुजांन॥हसिकईझारसबिछियासकुचसयान॥९२॥पि
यकइमुहतनझारससकुचसमाइ॥लाजकांमबसकुवरिपरीअ
कुलाय॥९२॥अथसुरतांत॥येकसमैपियस्यामसुजानसिरोमन
सुंदरसौरतिमांनी॥केलिकरैउठिबैठीपियाकरआरसीलैनिर
षैअरसांनी॥ठोठीअगूठाउठाइकहौपियसोहैचितैतुहिसोहैल

१० जांनी॥ नैगइनारीमुरीनिकुटीछरकीअषियामुरिकैमुसिकांनी॥
९४॥ ज्यौंअरसातउठीफिरप्रीतमत्यौंबतियारतिकीबतराइ॥ प्या
रीनहीननाहींकह्यौरसनिद्दितवैपियछबछाइ॥ ऊठीसदार
हौयोंसुनिकैमुषतैंपियऔरनबातसुनाइ॥ लालमैदागमहाव
रकेलषिआरसीलैकरिपागदिषाइ॥ ९५॥ भोरभयेंतियचोंकिपरी
अंगीरायउठीउठीबोनहीनावै॥ सिरोमनिकेसदुकूलसवारहैं सैंह
रिअंगनित्योंत्योंदुरावै॥ इतैंसुषसाजउतैगुरलाजसुप्यारोलदूमि
सहींबहरावै॥ चलैरतिगेहकीदेहरीलोंपियसोहनिसोंवहुरो
फिरिआवै॥ ९६॥ दोहा॥ पीकलीकनषछतलगेनिरषोसषिनसु

२१
होंग॥गडीजाततिहिलाजतैंसुनतबडाइभाग॥८७॥बरवै॥कन
कलताजसउठीयसँवारतिबार॥ह्यारतसषियनिसकुचइअतिसु
कुमार॥८८॥अथप्रौढलक्षणं॥कोबिदसकलकलानिअतिपति
कोहितअनुराग॥प्रोढतासोंकहतहैंजेप्रबीनबडभाग॥८९॥यथा॥
पौरितेबोलसुन्योपियकोंउठिपौढिरहीमुषओढिसियानी॥झीनेंदु
कूलमेंलाललषिबडडीअँषियांझलकैरससांनी॥सिरोमनिऔचि
लयोअंचराबहराइकैरिसनैनतिरछांनी॥होठसोंहोठलगाईरहे
इगदाबिकैंपोलनहीमुसिकानी॥९०॥दोहा॥ज्योंज्यों आवतनिक
टनिसत्यौंत्योंषरीउताल॥झमकीझमकीटहलेकरैंलगीरहतच
टबाल॥९१॥बरवै॥जेठहिमैंम्रगसिरा॥पवनधुंधाइ॥लैपियपै

छिउबरीयाचंदनलगाइ॥९२॥अथसुरतांत॥देवरकेब्याहचली
बनिकैछबीलीत्योंहीआयगयेलालउठीधूमपंचबांनकी॥
ऊपटधपटमईलपटसरसोंनेपीउसिमिटीरसीलीकरिआयैल
लवानकी॥मसकउरोजनकोंसमसकसमकउठेअंकलैकसकछ॥
किरसिकसुजांनकी॥तनकतनकनाहीठनकठनकतैसैंझनकचु
रीनकीछनकबिछियांनकी॥९३॥दोहा॥जदपिनाहींनाहीनही
बदनलगीजकजाति॥तदपिनोहहोंसीनरीहासीपैठहराति॥
९४॥बरवै॥नाहिनअतिकईबातीसझठसेइरार॥लागिति
पषापियकइछिनाकिसनार॥९५॥अथसुरतांत॥ढूटेहारछूटे
बारलटलिपटीनीमांनोंफलनकीडारमोंरनारलचकाईहै॥

23

कंचुकीदरकीतामैकुचनिकीकोतिकोककोकीहैकिकंचन

कालसछबिछाईहै॥सिरोमानिकहैबालिसाहिजहांसम

जामीभूषनउलटेनीबीसिथलसुहाइहै॥देषोयासोकैसीब

लमासौंध्यांतैकैसीधनिमईह्वांतैकैसीबनिआइहै॥२७॥पगी

पियप्रेमजगीजहूंजामरंगीरतिरंगमनयोपरजातु॥कियौन

बियोगलियोनरभोगपियोरसओघहियोनअघातु॥गुलाब

लैलैबहुभावनसौंछिरकैछतियांनत्यौंअलसातु॥तजेसंगु

नारंगकेसरिकोअंगधोवतित्यौरंगुबाढतजातु॥२८॥दोहा॥रं

गीसुरतिरंगपियहीयेंलगीजगीसबराति॥पैंडपैंडपरठठकि

कैऐंडभरीऐंडाति॥बरवै॥सिथिलबाहपुनिदरकसिअंगि

हि

२२ २५

यांगाछि॥वेसरि सोंलठउर झिलसुरझई ठांछि॥२००॥अथमध्या वीरपतंगी॥होतमांनमैत्रिबिधिहैमध्याप्रौढबाम॥धीरा औरअधीरतियधीराधीरानांम॥२०१॥अथमध्याप्रौढा॥को पजताव्यंगसौंजोतियपतिहिप्रबीन॥मध्याधीराकहतहैंता हिसुकबिरसलीन॥२०२॥यथा॥बीरपतंगीसुनैंपरनारिकेत्यौं हीरंगेछलकांमतेजाग्यो॥पैंधकैंप्रातहीबैठजुआइगयोपि यजोअनतैंअनुराग्यो॥बोलिसिषाईसषीलषिजावकनाल मैकोंनकेंपाइकोपाग्यो॥प्यारीकह्यौहसिलाजसोंनाहिरीमे रीयैचूनरीकोरंगुलाग्यो॥२०३॥दोहा॥छलापरोसनहाथतैं छलकरि लियोपिछांनि॥पियहिदिषायोलषिबिलषिरिस सुनच्चमुसकांनि॥२०४॥बरवै॥आइसबलमबिहांनहिइगुर

लिलार॥ लेकरमुंकर दिषाइसहँसि कहुनार॥२०५॥ अथमध्या अधीरालक्षण॥ करैकोपजोप्रगटहिंपतिसोबचन निमाह॥ मध्यअधीराकहतहैं तासोंकबिकुलनाह॥२०६॥ यथा॥ आयेहो आजनलैमनमोहनदेषतमूरतिमैनमईहै॥ आरससोंरससों अनुरागसोंरूपसोंरीझसोंडीठथईहै॥ रा.नरेओठनुअंजनरेषि केपीवनमोमनतापतइहै॥ जांनतिहोंमनभावतीओरसोंबो लनुकोंमुहछापदईहै॥२०७॥ दोहा॥ नषरेषासोहेहियेअरसो हैंसबगात॥ सोहैंहोतननैनयेतुमसोंहैंकतषात॥२०८॥ बरवै॥ कितिकईबिलमटहोघरकाहियलाग॥ मुकरउजिनपियसासन असननमेरेनाग॥ अथमध्याधीरालक्षणं॥ करैकोपपतिसोंजु

॥२३॥ तिय ब्यंग ग्रब्यंगनिमाह ॥ मध्याधीराधीरसब कहत ताहि कबि
26 नाह ॥ २०८ जांनी मैं प्रीति की रीति तिहारी जु देषन हूं को रहौं उमही
बडे साहिब सों न बसाइ कछु सो उनेह के नांते मैं बात कही ॥ जां
निसिरोमनि साहि जहां पिय सौं तिय सों कहि मौंन गही ॥ हसि
प्यारी पिया गहि ग्रांक नरी सु उसास लै कंठ सों लागी रही ॥ २०९ ॥
पीरी सी पाग रही छरि कांनन बारि यै ग्रानन ग्राजु निहारे
सोधे की ग्रावे सुबास सरीर मैं को ये रंग ग्रंग्य पात बिहारे ॥ लाग्यो
गुलाल गुलाब से ग्रानन ग्रावत स्वेद है नाथ तिहारे ॥ कौन के
धौं बसि षेलि हैं होली नवेबनि ग्राये हौं लाल हमारे ॥ २१ ॥ दोहा ॥
नहिं न चारि चितवत दृगनि नहि बोलत ग्रन षाइ ॥ ज्यौं ज्यौं रुष

27 रूषौ करै त्यौं त्यौं चित चिकनाई ॥ बरवै ॥ उहीं बरबसैं ईं बेलमत्तो
यूं निसदिन जाई ॥ सब मिलि करइ ठ्ठ्ठु लिया महि सन आई ॥ प्र
ग्रोढ़ धीरा लक्षणं ॥ ब्यंग कोप पति सों करैं रति तैं होहि बिरक्त
तासों प्रोढ़ धीर तीय कहत सबै अनुरक्त ॥ २२२ ॥ यथा ॥ वैसें हीं
चाहि चितै रहती हो पै डीठ इतै ठहराति न सोहीं ॥ सोहीं हसै हसि
बोलति हो पैं कहां है वे बोल बुलाई लगो हीं ॥ सबै उन हारी अनो
षे लगे किधौं मंडन भूलि गयो कछु होहीं ॥ वैसेहीं आदर सों मि
लिती हो पै काहे तें आजु है वाह ढिलौंहीं ॥ २२३ ॥ आजहु की अध
राति समै भ्रम मोहि नयौ सो नेकाहु मिटायो ॥ या सुपने को संदे
स सुनौं तुम हूं पिय आपनी बुधि को नायो ॥ नींद बिदा कै दई तब

२५
सु. भा.
२८

तोमहाराजिहींयैअतिचेटकछायौ॥लालगयौगिरिमेरेगरे
कोकहाकहियैसुपरोसनिपायौ॥२२४॥दोहा॥बालकहांला
लीनइलोयनकोइनमांह॥लालतिहारेद्गनकीपरीद्रगनि
मेछांह॥बरवै॥आवतपाषिबलमउठिआदरकीन्ह॥पानध
रेउधनिअंगइउतरुनदीन्ह॥२२५॥दोहा॥अथप्रौढअधीरा॥
प्रगटकरैतियकोपजोअरुजुदिषावैत्रास प्रौढअधीराकहतहै
तासौंसुमतिप्रकास॥२२७॥यथा॥मारिहैकोउजुबोलिहोकाहू
सौजांनिनयौसबभेदतिहारो॥आरसीलैकरिदेषहुनागसुहा
गरूपागकेपेचसवारो॥अंजनजोअधरानलग्योपियहोनिह
कौमुहकारो॥२२८॥हसिबोमिलिबेलबोबोलिबोजुसबहीतैरही

२१ दुषयामरियै॥ जिनहीतैं रचेतिनहीसौंरुचौहमजौनरुचीतौक
हालरीयै॥ कछुऔरनमागतिहोंतुमपैंअबतौइत्तनी जियमेंधू
रियै॥ जहांआपनीप्यारीकुप्यारीगनौंइकरेषहमारीतहांकरीयै॥
दोहा॥ तुरतसुरतकैसेंदुरतमुरतनैंनजुरिनी॰॥ डौंडीदैंगुनरावरे
कहैकनौडीडी॰॥१९॥ बरवै॥ सिथिलसरिरवाघांयनकजरारा
ग॥ बातबनायइलागिकरेजवाआग॥२०॥ अथप्रौढअधीरा॥
रतिमेंहोहिउदासअरपतहिदिषावेंत्रास॥ प्रौढअधीराधीराति
हिनरनतपरमहुलास॥२१॥ यथा॥ आऔइतैंइतहीहैनली
मनकाकोरुसीहौंकौनैंरुसाई॥ कौनसोंरूपसकौहमहूंहैरिस
कासौंकरैंमनकौनकेनाई॥ काहेकोंआंन्योहैआंषिनमेजल

२५ 30

बातसुनावती क्यौनसुहाई॥ बांनिकसौंबन्यौदेष्यौतुम्हमेरी आनंदसौंअषियानरिझाइ॥१२२॥ जातउतैइतनूलिपरे अबसोचौकहासुबनैनबिचारी॥ मेरेतौफूलपैंवाकोल गैदुषबैठीनिहारतिबाटतिहारी॥ जांनिसिरोमनिसाहिज हांजूरहैहीबनैंतनौंआपनीबारी॥ प्यारीवहैजहांप्यारकि यौपियआजुमनोहमहीनइप्यारी॥१२३॥ सोरठा॥ प्रीतमआ येप्रातउठीआदरआगेकियो॥ मोहनषरीरिसाततत्यौरतिरी छेकिगये॥१२४॥ बरवै॥ नैनमइंकेदुरवारतुलेवान॥ मा रकतकेमांजेमंइपहचांन॥ प्रथजेष्टाकनिष्टालक्षणं॥ दो हा॥ लषियैघटिबढिप्रीतिजहांनेदतहांदुजांनि॥ जेष्टकानि

३। ष्याद्दूसरी बरनत सुकबि सुजांन॥ यथा॥ मांनि कलै दुहुं हाथ दुहु न दिषाइ कै नाइक मुष्टि गही है॥ द्वै महि मूठी छुटावैगी कौं न सयान यसों यह बात कही है॥ षेच्चि मरोरि करी बहुतै मिसही उरजात सौं लाइ रही है॥ जांनी नहीं उत होत कहा है करी इह रीति सौं प्रीति सही है॥१२५॥ दोहा॥ छिरकै नारि नवोढ्द्गक र पिचकी जल जोर॥ रोचन रंग लाली नई बियतिय लोचनकोर॥१२६॥ बरवै॥ याकमूठी मइ मानि कलै करि लाल॥ याक हैदी नहुयाकछलि सपुनि बाल॥ अथ परकीया लक्षण॥ दोहा॥ प्रीति करै परपुरष सौं दुरै दुरै जो बाम॥ परकीया पुनि नेद्द्वै नोढ्अनूढा नाम॥१२७॥ अथ अनूढा लक्षण॥ जा

२६
३२

कौब्याहनयौनहीप्रीतिकरैकिहुसंग॥तासौकहतअनूढ
तियजेप्रवीनसबअंग॥अरील॥यथा॥राधेकलंकुमिटैकुल
कौनरिअंकमिलैगीतूंनंदललाते॥आइहौंनंदघरांतेअ
बैसुनिवाकीऔतेरी।बिवाहकीबाते॥हौंसुनिजातिपुरीसुनि
कैउरपैअतिहीरसबादिसनाते॥काहेकौंमा.इघिजावतीमो
हिहहानकहौकछुजाउइहोते॥२३०॥दोहा॥मैसुनिआइनंद
घरिअबतहोहीनिसंक॥राधेमोहनब्याहतैजैहैधोइकलंक॥
१३१॥बरवै॥सोचकरैजिननननदीबीचिबिवाह॥फादहुतु
मरीइलिया।जिनपछितातु॥अथउढालक्षणं॥ब्याहीकाहू
औरसौकरैऔरसौप्रीत॥उढातासौंकहतहैजांनतजेरसरीत

२३३॥ यथा॥ रीझै सुष पाउ हौं न षीझै दुष पाउ मेरे रीझ षीझ एकै
रं गु रागयो सोई राग चुक्यो॥ जसु अपजस कु बडाइ औ बडाई गुन
औगुन न जानो जीउ जागयो सोई जागि चुक्यो॥ कोंन काज गुरजन ब
रजैं जो दुरजन कै सो कुलनेम पेम पागयो सोई पाग चुक्यो॥ लोग
न लगायो सो तौ लागयो अन लागयो देव पूरो यन लागयो मन लागयो
सोई लाग चुक्यो॥ २३४॥ जोग हि सिषाहि ऊधौ जोग हि कै गयां न हा
थ सो न मन हाथ ब्रजनाथ साथ कै चुकी॥ देव पंचसायकन चा
इ षोलि पंचन मे पंच हू करन पंचामृत सो अचै चुकी॥ कुल ब
धू है कै कुलटा कहाइ अरु गोकुल मे कुल मै कलंकु सिर लै चु
की॥ चित हू ते हित न हमारे बित औरै सो तौ वाही चित्त चोर हि

२७
३५

चितौतचितदैचुकी॥२३४॥कीजैकहासुनिमेरीननदुकोउने
हकेनातेंकौकैसैंकैतोरैं॥देषियरैजबमूरतिलालकीकौन
तियालषिकैमुषमोरै॥स्यामकेकाजतौआजुसषीकोउलाज
हिजाईकुवामधिबोरैं॥कैसैंकियेबनैघूंघटरीजबसावरौनैं
नानिमांझनिहोरैं॥२३६॥जमकीसीजाईजीवलेतिहैजिठानीजा
निदेतदुषघोरसौतिदेषतिजरीमरै॥ननदनिगोडीनिरषेननी
कैनैननरिसासुकौसुनाउवइझूठौलाइकैलरै॥कहेंदयादेव
कहाहोतकुलकानिआलीलागीमननलालचीसुऐसेकैसें
कैटरै॥चाहतहैंसबैयाकेदूकदूककीजेसोरीरीझदूकहेरही
हैंदूकदूककोकरै॥२३७॥सहजबिलासहासहियकेहुलास

तजिदुषके निवास प्रेम फांस परियतु है ॥ भूलि जातु धाम सोच

बाढतु है आठौ जाम बिन कां मत्र सितर सिमरियतु है ॥ मिल

न न पैये बिन मिलै अकुलइयै अति सेनापति ऐसें कहौ कैं

से नरियतु है ॥ कहा कहौं तासौ मन बात सुनि मोसौं जा कौ दे ऽऽ

षिबौ कठिन तासौं नेह करियतु है ॥ २३४ ॥ मेरी सी आंषिन मेरी सो

ज्यौ करिजो तू बिलोकि हियौ करि गाढौ ॥ आषेरी आयो चितै

किन देषें वहै चित चोर चितौतु है ठाढौ ॥ अंतर तो मन मोहन ऽऽ

नौ घर बाहिर घेरु कै बारिध बाढौ ॥ या मुष देषि कहै बरहाइन ऽऽ

लाज करौ अरु घूंघट काढौ ॥ २३५ ॥ कांन्ह अचानक आइ गये चि

तयें बिनु घूंघट कैसें कै कीजे ॥ ता पर ये जु कछू कइती इन बोल

के उपर कैसें के जीजे ॥ गंग कहै हम ऐसी अनैसी सुनावै जहां इत

२९ 36 हांकहिलीजे॥पूतपरायेकोछांडियेनाउजूमोहीपैनीजबडी
करिलीजे॥२५०॥दोहा॥गुडीकुटमकीनीरमैरहीवेठदैपीठ
तउपलकपरजातइतसलैजहसौंहीडीठ॥२५१॥उरउरझ्यो
चितचौरसोंगुरगुरजनकीलाज॥चढीहिंदोरेसीहियेकिये
बनैगृहकाज॥२५२॥बरवै॥बालमरेमोखेबालमतुमकस
कीन॥लोगकुटंबसबछांडउतुहिचितदीन॥२५३॥परदेसी
कौनेहबदरकीछाह॥येजातैनहिंजनियैबिनइकमाह॥
२५४॥करहुचाहुरेलुगवामहिसनरारि॥लागहुकोटिकलं
कवाछडहिनद्वारि॥२५५॥रहिनजातघरमुखागननहिबनबा
ग॥जिहिंनमोरिपरबाहतिहिमनलाग॥२५६॥दोहा॥आगल

67

पानातीन ३ प्रतिकाजातारह्याचोथोपानोसुलीय्यजेछै॥ लाज
गरब्बआलसउमग भरे नैंन मुसिकाति॥ रातिरँमीरतिदेतिकहि
ओरैंप्रभाप्रभात पाना ३ मैंजातारह्यादोहाबरवैं१२बाकी॥२६५॥
मोसौमिलवति चातुरीतूनहिंजांनतिभेव॥ कहेंदेतयहप्रगटहीं
प्रगट्योपूसपसेव॥२६७॥ सहीरगीलीरतिजगैंजगीपगीसुख
चैन॥ अलसोहैंसौहैंकियेकहेहसोहेनैंन॥२६९॥ बरवै॥ का
हेकबदनदुरावहिमहिसनरींनारि॥ सिथिलनइहछतियांघ
कथकत्वारि॥२६४॥ अथकुलटाबरननं॥ बहुतनाइकनिसों
सुरतिजोचाहतिहैंबाम॥ कबिकोबिदसबकहतहेकुलटाता
कोनाम॥२७०॥ अंचरडारेरहेंअलबेलीइगंचलचेचलहैंच

२९ ३४

पलातैं॥सुंदर नैनकी सैननमैंसु अनेक अनागतआंनतघा
तै॥बैठिझरोषनिमांझउहांउअकैंमुरकैंदुरकैंमुसिकातैं॥तौ
हीलौंजीकौंपरैंकलजौलौ चलैंकछुकांमकलोलकीबातैं॥
२७१॥दोहा॥षेलनसिषयेअलिभलेचतुरअहेरीमार॥कांनन
चारीनैनम्रगनागरनरनुसिकार॥२७२॥बरवै॥रातिउअतिक
ईअंगियाइगुरलिलाट॥पारहुअतिकईकजराकिहिकीबाट
२७३॥पीपरपातचिकनवांअतिअनियार॥रेषउठतमसनीजत
नाहपियार॥२७४॥अथअनुसयानालक्षणं॥कहीअनुसयना
त्रिबिधिमिटहिथांनकौसोच॥भावीथांनसंदेहपीआयौदेषि
सकोच॥२७५॥कबित॥माधुरीलतानिमिलिललितलवं
गनिकीबेलिनुकेबीचजमुनाजलबीनमैं॥कुंजनमेंगुजतन

३१

मंजुअलिनिरषिनिकुंजनिकुटीनमनहीनभो॥ सोचतद्वारठा
ढीमेनजुरहीठहीहसासुनकेनासतनछानछविछीनभो॥ आ
येघनस्यामभोहेरिलीनेभरिदृगबामभोलानाथभूलीसुधि
बदनमलीनभो॥ २७६॥ बेलिनिसोलिपटाइरहीहैंतमालन
कीअवलीअतिकारी॥ कोकिलकेकिकपोतनकेकुलकेलि
करैजिहिआनंदबारी॥ सोचकरैजिनहोइदुषीमतिरामभषी
नसबैनरनारी॥ मंजुलबंजुलकुंजनिमैघनपुंजसषीसुसरा
रितिहारी॥ २७७॥ दोहा॥ फिरिरबिलषीहैलषतिफिरिरलेतउ
सास॥ सांइसिरकचसेतलोंबित्योचुनतिकपास॥ बरवै॥ जिहि
बनचुनतचिरैयांपंषसवारि॥ सोबनभयेउउजारसुलागिद

२०
40
वारि ॥२७९॥ जिहिंबनखुनैंतैंकीनबासिरवासुबसुषक्षार ऽऽ
धरी२कइकरवरउहिंबनक्यार ॥२८०॥ अथमुदितालक्षणं ॥
चितकीचाहीबातसुनिलषिजोहोइप्रसन्न ॥ मुदितातासौंकहत
हैंजेकोविदश्रासन्न ॥ यथा ॥ सांझहींकारीघटाघिरिश्राइम ऽऽ
हाझरसौबरसैंनरिसावन ॥ धौरियकारीयश्राइगईसुरना ऽ
इकैंधाइकैलागीचुषावन ॥ माइकह्योकोइजाइलैंश्रावैंन ऽ
कान्हकह्योदुहबेकौंबश्रावन ॥ यौंसुनिश्रानंदतैंउठिधाइ ऽ
श्रकेलियेबालगुपालबुलावन ॥२८२॥ लोगबरातगयेसि ऽ
गरैंतुमरातजगेकौंचलीसबकोउ ॥ सुंदरमंदिरसुनोइहां ऽऽ
अबकोरषवारीहैताहिनजोउ ॥ तासुकह्योतबहीलषिकै
लहुरीदुलहीबरहीयहसोउ ॥ फुलिगयेसुनिबाततयोगातस

मातनकंचुकीमैंकुचदोउ॥२९३॥दोहा॥बिछुरतरोचतदु
हनकौसषियहरूपलषैन॥दुषअसुवापियनयनहैसुष
असुवांतियनैन॥बरवै॥करगहिलीनघइलनापठइसमाइ
चलिसबालपनवटवाहरषदुराइ॥अथसामान्यालच्छण॥
जाकैधनसौंप्रितिहैकछूनजाननतिओर॥सामान्यांकीरीतिय
हलषैनठौरकुठौर॥२९४॥यथा॥आवनगतिलैनचावनमोहन
तालनतोरनतानननकीमैचोरिलेतिचितकों॥सीसतैंसमेटि
परछापिकैवदनससिजोरनैननीमैजोरिलेतिहिसकौं॥सुरन
कीरच्चनिलचनिकटिदावनकीउछलनिपाइकीझकोरलगै
जितकौ॥बिसकनिओढनीकीमुरिमुसिकतिनाथबाहकीडु

२१
५२

लनिलेत। रसिकनि बितकौं ॥१८५॥ सोनेंकी सीबेली वे नवे
लीछाडिकैं सहेली चली केलिकुंज निश्रकेली छ्वटा छ्वहरैं ॥ छ॥
गोरे २ अंगपहनैंचुनरी सुरंगसबै गहनेंजराउगातसोहनूसु
नहरैं ॥ आइजुरैं जोटी कहैंदेव ज्यौं बहोटी बासन चोवा चुनी
चोटी छोटी छाती छबिछहरैं ॥ रंगभरी रागभरी षरी अनुरागभ
रीसागर सुहागकी सीलहरैं ॥१८६॥ आलीझुलावती झूकनिसों
डुकिजातिकटी झननातिझकोरैं ॥ चंचल अंचल बिचचला
चलबैनीबडी सुगडी चित चोरैं ॥ याबिधिझुलतदेषिगयौतब
तेकबिदेवसनेहनिहोरैं ॥ झूलतहैं हरिकोहियरा हियमांझ
तियाकेहराकेहिडोरैं ॥ दोहा ॥ लटकीमटकिमुसिकाइमुरिकैरैं

43

कटाछनबाल। हसिकैं हियतैमालले षरी रिझावतलाल॥ बरवै॥ कनकसाटजसलहलहलचरजाई॥ किहि कामूससिरूपछगुरियालाइ॥ २८७॥ अथ नाइकाके और भेद॥ अन्यसंभोगिदु:षिताइ बिदगर्बिताजांनि रूपप्रेमकरिमांनिनी ग्रंथनितेपहिचांनु॥ २८८॥ अथ अन्यसंभोगदुषिता॥ लैनपठवैलालकौं अपनेसुषचितचाइ॥ नाइकदूतीसोरमै चिहनदेषिअनषाइ॥ २८९॥ यथा॥ देहधरीपरकाजही कौजगमांझहेतोसीतुहीसबलाइक॥ दौरैथकेंअंगस्वेदबंधोसमुद्री सषीह्यानमिलेसुषदायक॥ मोहीसोंप्यारजनायोभलीबिधिजांनीजूजांनीहीतूनकीनाइक॥ साचकीमूरतिसीलकोसूरतमंदकियेजिहिकांमकेसाइक॥ २९१॥ दोहा॥ गह्योअबोलोप्योपीयाच्यापैपठैबसीठ॥ डीठचुराइदुहुनकीलषिलचौंहीडीठ॥ बरवै॥ सिथिलसरिरवाछति

२२
५५
याधकर२वार॥मगमइखेदभईलवाकारणलार॥२९३॥रूपगर्बिता॥
रूपगर्बेतैंश्रोरकौंगनैननैंकोबाम॥कबिकोबिदतासौंकहतरूपगर्बि॥
तानामि॥यथा॥बाजतहैडफतालम्रदंगश्रोछूटतरंगनिकीपिच॥
काइ॥गावतहैंब्रजबालसबैश्रग२श्रनंगनकोसरसाइ॥श्रानंदसौंरी
श्रनोषोललालषिमेरीयश्रोरषरोमुसिकाइ॥होगडीलाजनिजाति
श्रलिईहगोकुलगावकेलोगचबाइ॥२९४॥चंदकीश्रोरचितोतन
हीसुकलंकितजानिकैंजांनतहेरौ॥बारिजकोबरजैनितहोनविलोकै
छुवैनहिल्यावतनेरो॥नाथचकोरभयोश्रतिहीरिझकैछबिछातेफि
रैनहीफेरो॥ज्योंहीज्योंलाजनिमीजौंश्रलीयहत्योंहीत्योंहेरिरहेमुह
मेरो॥२९५॥दोहा॥दुसहसौतिसालतनहीयगनततननाहबिवाह॥ध
रैरूपगुनकोगरबफिरैश्रछेहउछाह॥सवै॥जसजसलाजनिमीजउ

४५ तसरनान॥ तोरबदनरसमौंरामइलसुजांन॥ २९७॥ अथप्रेमग
र्बितालक्षणं॥ अतिहीपतिकेप्रेमकोकरैगर्बजोबांम॥ प्रेमगर्बि
ताकहतहैतासौंकबिअभिरांम॥ यथा॥ बैनीबडीकरिछोंनुप्र
बीनछपाकरसेमुषबैसकीथोरैं॥ बाततिनिहीबहकावतिओर
निहांसीकरैसबियांनकौंजोरैं॥ सौतिनत्यौंदिषरावैंअंगूठहि
जोबनकेमदअंगकीगोरैं॥ नाथकेनेहछकीरहजातिषरीसब
सौंइतरातिनिहोरैं॥ २९८॥ दोहा॥ दीयौजुचिबुकउठाइकेकंपत
करमरतार॥ टेढीयैटेढीफिरतटेढेतिलकलिलार॥ २९९॥ बरवै॥
छकिसबलमरसमदवागनइनआंन॥ मगमइघैरइनपगवाक धँ
सइतरांन॥ अथमांननीलक्षणं॥ पतिसौंकरैजुमांनतीयपरमप्रे
मकेहेत॥ मांनवतीतासौंकहतजेकबितरसलेत॥ ३०१॥ यथा॥

२२
46

तबकींवेवातैंमुषदेषि२आरसीमैंमिलबेकेब्यौतनिसदिनमन
आनती॥कबहूकिङ्क्रीमूठीरूठीजौहैंतौनिरपियहूमनावती॥३३
औमानिनीहूमांनतीअधजोसयानीनइसमयोप्रसिद्धआयो
लागीसबजांननपैकछुपनजांनती॥ऐसीरितुऐसीरातिऐसी
बैसऐसीभांतिऐसीनीकेलालनसोऐसोहठठानती॥२०२॥प्या
कहैयें रीहमारीसोआउइतेकहिदेवकुप्यारीहैकैसेकै [illegible]॥प्यारीकहौ
मतमोसोअहोकहुप्यारीयोप्यारऔन्यारीहैबैठसुबातबतैयें॥
प्यारेपरायेसौंकौंनपरेषोगरैंपरिकौलगिप्यारीकहैयें॥२०३॥येरीबि
च्छनकामिनिजोमिनिनाथसोंप्रीतिप्रतीतिदियेंपर॥प्रेमपियू
षनसोममपूषसोउषसोजेहनिबाहलियेपर॥ ब्बेजोवतुते
रीचितौनहितूरूषरूषीधरीहैंइतेपर॥हाथीसोंदैमनथाथीसोंदै

47 पनआंकुसकोअरकीजैकितेपर॥२०४॥दोहा॥रहीपकरयाटी॥ऽ
सुरिसभरीभौंहचितनैन॥लषिसुपनैपियआनरतजगतहुलग
तहियैन॥२०५॥बरवै॥बालमकरैमनुहरियांतुहरीठाढ॥हसिकि
नलागहिपरवांकामनगाढ॥अथअष्टनाइका॥प्रोषितपतिकाषंडि
ताकलहंतरिताआंन॥बिप्रलब्धउत्कंठिताबासकसज्जाजांन॥ऽ
स्वाधीनपतिअभिसारिकाआठोंभेदबिचार॥कहीनायकाजेसबैए
करअनुहार॥२०७॥अथप्रोषितपतिका॥भावीपियकेबिरहतैंबि
कलहोहिजोबांम॥प्रोषितपतिकाकहतहैंताहिसुकबिअभिरां
म॥२०८॥यथा॥नंदधरैंब्रषभांनकेभौनतैंजांनिकह्योहरिदेव
सुहासुनि॥ताहिबरीतैंघरीछीनलाजघरीकैंघरीउघरीबतीया॥

२५
48

सुनि॥प्रातअरंभकेलंभलगीनिरदंभनिरंभनसंभारनसौसुनि
ठाढीबडेषिनकीबरसैबडडीअँषियांनिबडेरह्यौंसुनि॥२१२
जाघरतेमोहनकीधुनिपुनिपरीकांनताघरीतैतनमनअम
लसोछकरह्यौलैरही॥स्वासनउघारीसकैनेत्रदोउबिरहबिकल
ताकेआनंदमैछ्वैरही॥येतेपरप्यारेलालऔचकाहीआनिअ
लिचलबेकोनांउलीनोमुषत्योचितैरही॥गहतनबन्योपटरह
तनबन्योमौनकहतनबनीबातकहांकहांकैरही॥२१३॥बैसीर
मातिनसौंसबसुषदैदैअबएकैबारबिछुरकैतनमनबारिबौ॥
नलीकीनीमाउतेसिधारीयेजूसुनहोहुकबहूतोसमौपाइहू
महूंसमारिबौ॥कहिबोठिठाइबिनकहतैंरह्यौनजाइयातेहौ
कहतिनैकुचिततैनटारिबौ॥ठाढीरउससिउसासलैलैएक

त्यौ एहो प्रान नाथ आजु सोंचैइ सिधारिबौ ॥२१४॥ दोहा ॥ ललन
चलनु सुनि पलनु मैं असुवांझलके आइ ॥ भईलषाइ न सषीन हूं
झूठैं हीं मिस जनु आय ॥ बरवै ॥ ललन चलन की नन क कुवरि सु
निकांन ॥ बिलषी लागि कि वर वा सुहक मिलांन ॥२१५॥ उचैं
चढि गिरि परिहौं परिहौं नीच ॥ बलम बिछोह न सहिहौं मरिहौ
मीच ॥२१६॥ अथ गतपतिका लछणं ॥ दोहा ॥ जाको पीउ बिदेस
मे बिकल होहीं अकुलाइ ॥ गतपतिका तासो कहत समझो लिहु क
बिराय ॥ यथा ॥ वैसो करि नेह एक प्रान बिन देह अब औसी निठुरा
इ करि कौ लोतर साइहो ॥ बिरहतें ताते सेनापति अति राते अब
कब दुष मोचन ये लोचन सिराइहो ॥ पाती पाछे रहम आवत है
निरधार यह हरि वेरहरि लिषत बनाइहो ॥ मो हिय परती तिन ति

२५ 50 हारीकछूकहाजानौऐसीकौनपातीजाकेपाछेआपुआइहौ
२२३।सैंनसमैसुषधामसेनापतिघनस्यामकहतहेमोसौंमेरी
तुहीसरबसुहै॥अबतौबिरमरहेजानौंकंतरमरहेसुरतौबि
सारीनयोदूबरौंदरसुहै॥प्रीतिकरिमोहीतरसावततुहोमोहतु
मलालनिमोंहीमनकीनौकरकसुहै॥बीतीबरषासीआपपा
तीहूकौअरकसीऐसीचितबसीतौहमारौकहाबसुहै।२२४।कं
चनकेघरघरनिकलपतरूकोटितियांनितजोइयतसुषहै॥
प्रातहोतजाइसीसनावतअनेकरूपमोहनकोमानुकोटिचंद्र
समसुषहै॥कहौकौनभांतिनकरैगेसुधिहमसौंतौउधौहरि
रूसेहैकौरूषहै॥तउयेकबारहाहाबूझीयौदिवाईसोहद्वारि
काबसेतौब्रजबसेकौसुषहै।२२५॥संगहीलैचलौउधौहमैइ

51 ततेउतराषिकैआगैंसिधैयो॥गोकुलनाथसौंअबौहमारोसमो
तकिकानमैलागिसुनैयो॥जोसुनिकैकछूहोंहीसनमुषतौकछू
आगैंहूंबातचलैयो॥नातरतोइतनौकरियोइनदेहनिलैब्रज
मैपहुचैयो॥२२६॥जादिनतैंरीकहुकबिनाथगयोअनतैंतन
तौहीतैंतावति॥सोचकरैनिसियेकसीजागतिमूलिसबैसुधिको
उनयावति॥अबीमनवूझकौंटकडीठदैद्वारतैंनोरकीघोसबितावति ही१२
हेरिरहैनकहैकछुकाहूसौंआषिनतैंअसुवाबरसावति॥२२७॥दो
हा॥नयोबिरहबढतीबिथाषरीबिकलजीयबाल॥बिलषीदेषि
परोसनोंहरषिहसीतिहिकाल॥२२८॥करलैचूमिचढाइसिरउर
लगाइभुजभेटि॥लहिपातीपियकीपियाबाचतिधरतसमेट॥२२९
बरवै॥जिहिरूपवातरननदीहौंतोरानाइ॥तिहिरूपवातरचि

२६ तयेंचितपुनिजाई॥२३०॥पथिकएकयनघटवौंकहसिपीआ
52 उ॥हाहाकरौंननदियाबहुरिकहाउ॥२३२॥हसिकैंचछहुअटरीऽ
उ याउतरकरोइ॥बालमकीउनहरियादिषहुनहिकोइ॥२३२॥अऽ
थआगमिष्यत्पतिकालक्षणं॥आवतपीउबिदेसतेंसुनिहरषेजो
बांम॥आगमपतिकानाइकाताहिकहतअभिराम॥२३३॥यथा॥
आवनसुन्योहोमनभावनकोंमामिनित्योंनैननिऔंनआंसूढरि
कि२उठै॥देवदृगद्योउदौरिजातद्वारदेहरीलौंकेहरीसीसांसैषरी
षरकि२उठैं॥टहलैकरतटहलैंनहाथपाइरंगमहलेनिहारितनी
तरकि२उठैं॥सरकि२सांसंदरकिआंगीओंचकउचौहैंकुचफरकि
२उठैं॥२३४॥आवतनाथहैकांनकह्योसुनिकैंउरआंनंदबाढ्योसु
हांइन॥फूलीफिरैंग्रहआंगनदेहरीअंगउमंगसुकंजसेपांईन॥कीने

53

सिंगारसबैंदुतिदेहकीदीपतिदीपसिषासीसुभाइन॥सासुसिषा

इबलाइनलेतवहुइतरातिफिरैंचितचाइन॥२३५॥दोहा॥मलि

नदेहवेइबसनमलिनबिरहकेरूप॥पियआगमऔरैंचढी

आंननओपअनूप॥२३६॥बरवै॥मलतपकीनकिवरहिसुरसरि

तीर॥बिहसिधाइधनउछकिलसिथलसरीर॥२३७॥पुनआग०

॥दोहा॥पियआयौपरदेसतैहोइजुजाकेधांम॥आगतपतिकाक

हतहैंतासोंकबिअभिरांम॥२३८॥यथा॥आयोबिदेसतैंप्रानपि

यामतिरांमबढयअनंदचलेषैं॥लोगनिसोंमिलिआगनबैठि

घरीहींरसगरोघरदेषै॥भीतरीभौनंकेद्वारषरीसुकुमारतिया

तनकंपबिसेषै॥घूंघटकौपटओटकियैपटओटदियेंपियको

मुषदेषै॥२३९॥वहुतेदिनप्रीतमआयोघरेतियकेजियमेंजनो

२७ / ५५

ज्यौं गहनायौ ॥ मंडन बैनी की गांठ छुटाइ कह्यौ हरि हाई इ तौं दुष
पायौ ॥ बूझत बात हियैं भरि स्वास उतैं मुष प्यारी न नेकु उचायौ ॥
सो हैं न चाम्है सु बोलन आयौ गरौ न रिआय हीयौ न रिझायौ ॥ २८० ॥
दोहा ॥ रह्यौ बरो ठमैं मिलत पिय प्रानन के इस ॥ आवत रकी नइ
बिधि की घरी घरी स ॥ २८१ ॥ बरवै ॥ आयौ वलम बिलम नइ म्ना
टत द्वार ॥ लागि च चटपटी ह्यारइ टटय फारि ॥ २८२ ॥ अथ षंडिता
लक्षण ॥ दोहा ॥ और तिया के संग के पति पर चीन्ह निहारि ॥ होरी
दुषित सो षंडिता कबिवर कहत बिचारि ॥ २८३ ॥ पीतम आये भ
भात पिया मुसिकात उठी इग सों दृग जोरैं ॥ आगे हूं है आदर स कैं म
तिरा मकहे मृदु बैन सुधा रस बोरैं ॥ ऐसे सयान सु भावन ही सौं
मिलि मन भावन सौं मन मोरैं ॥ मांन गो जो न सुजांन तबै अंगियां

55

कीतनीनछुटैजबछोरै॥२४४॥आयेरतिमांनिकहूंभौरनयेंभा
उतीकैंअलबेलेपागपेचरहेछबिछाइकैं॥लालरलोइनउ
नीदेरसअसेप्यारेमुरलीधरकहेबोलेबैंनतुतराइकैं॥ऐसेल
षिलालनकोंललनालजीलीमुषकियोहूंनसोहैंराषोबदन
दुराइकैं॥अंतरकेदुषप्यारीघूंघटकीओटनैंनआसूंनरिरराषी
नंदीसीबहाइकैं॥२४५॥दोहा॥ह्यांनचलेबलिरावरीचतुराइ
कीचाल॥सनषहियेंबिनरनटतअनषबढवतलाल॥२४६॥
बरवै॥घाटनलागकजरवाअषियनपीक॥कौसिबिराजेहियर
व्रानषइकलीक॥२४७॥अथकलहंतरितालक्षण॥पहिलेपति
अपमांनकरिफिरपाछेंपछिताइ॥कलहंतरितानाइकाताहि
कहतकबिराय॥२४८॥यथा॥गोंनेकीचुंदरीबैसीयहैदुलही
अबहीतैंछीनइबगोरी॥वेउमनांवनआयेहैंआपनैंहाथसोंपाघै जारित

२९ 56

सवारी पाइयपरेमतिरामललामनुहारिकरीकरजोरिहहारी॥ आ
पुहीमांन्योमनायोनकान्हकोंआपुहीषातिनपांनपियारी॥२५०॥
मोहिकहाबदतीहोंजबैमिलिवैंसिगरीमिलीबातसुहाती॥
तिलमेतलबेलीलगौजिनकोतनमंडनलाजसायोसत
राती॥ क्योहूकह्योसमझैनसुनैतबऐसैकछुरिसमेरंगि
जाती॥ नौषीनइयहबानदइदिनहीडुकतीदिनहीपछि॥
ताती॥२५१॥ परकीया ॥ जाकेलियेंगृहकोतज्योकाजन
सीषीसषीनकीसीषसिषाइ॥ बैरकीयोसिगरेब्रजगांउसौ
जाकेलियेकुलकानिगवाइ॥ जाकेलियेंघरबाहिरहूंम॥
तिरामरह्योहसिलोगचबाइ॥ ताहरिसौंहितयेकहीबारग॥

57 वारीमैंतोरतलाजनआइ॥२५२॥मुगधा॥दोहा॥आइगोंनैं
कालहीसीषेसबैसयांन॥अबहीतैरूसनलौअबहीतैंपछि
तांन॥२५३॥बरवै॥हरबाउटकिछुडाइससविनतीमांन॥जब
हीउठिगाबलमसुमुहकुमिलांन॥२५४॥अथविप्रलंभ॥आ
साकरिपियमिलनकीजाइसकेतजुबाम॥बिनामिलेपियकू
दुषितबिप्रलंभसोनांम॥यथा॥सकलसिंगारसाजसंगलेसहे
लिनिकौसुंदरिमिलनचलीआनंदकेकंदकौ॥कहैंमतिरांम
बालकरतिमनोरथनिदेषोपरजंकयेनप्यारेनंदनंदकौ॥नेह
तेलगीहैदेहदाहनिदहनिद्रगबागकेबिलोकिदुमबेलिनु
केबृंदकौ॥चंदकोहसततबआयेमुषचंदकौअबचंदलगो

हसनतियाकेमुषचंदकौ॥२५५॥दोहा॥साहसकरिकुंजन
गइलष्यौननंदकिसोर॥दीपसिषासीथरहेरीलगैबयार
झकोर॥बर रै॥उनीआइफरकुवाचितहिनचैन॥जाज
रिअैसोगगरीहुरिगयेनैन॥२५७॥अथउत्कंठीता॥कौंनहि
आयौपीउसषिकरैसोचमनमाह॥सोकहीयेउत्कंठिताकह
तसबैकबिनाह॥२५८॥यथा॥षरीहुपहरीहैनरीफरीकुंज
मंजुलअलिगुजनिकीदेवहियौहरिजाती॥सीरेनदनीरत
रुतीरनिगनीरछाहसोवैपरेपथिकपुकारेपिकीकरिजा
ती॥ऐसेमैकिसोरीनोरीकौरीकुम्हलानेमुहपंकजसेपाइ
धराधीरजसोधरिजाति॥सोहैधांमस्यांममगहेरतिहथेरी

वोटउचेधांमबांमचढिआवतउतरिजाति॥२५९॥दोहा॥
पीउनआयोध्यांनकौमूदेंलोचनबाल॥पलकउघारतपुल
कमैआयोहोंहिनलाल॥२६०॥बरवै॥लहलहातनवजोब
नाअतिअलबेल॥मारगह्यारदुपहरीछकेल॥२६१॥अ
थ वासकसज्या॥पीतमयहैगेहयहजांनिकरैशृंगार॥बा
सकसज्याकहतहैंतासौंसुकबिसुढार॥२६२॥पामरिनुपाउ
डेपरेहैंपुरिपौरिलगिधामधूपनिकेधूमरधुनियतहैं॥
कस्तुरीअतरसालचोयारसघनसारदीपकहजारहिअं
ध्यारलुनियतहैं॥मधुरमृदंगरागरंगकेतरंगनिमेअंगर
गोपिनकेगुनगुनियतहैं॥देवसुषसाजमहाराजब्रजराज

आजुराधाजूकेसदनसिधारेसुनियतहैं ॥२६२॥ मोतिनके
गजराकरबाधतकंचुकीगाढीउरोजनिछाजे ॥ फूलन
केहरवापहरावतिआलीकोआननहेरतिलाजे ॥ आवत
हैकबिनाथमुबारिकबारहीबारसषीसुषसाजे ॥ द्वारसौंडि
ठिदैदेषिरहैअलबेलीषरीरंगभौननमैंराजे ॥२६३॥ दोहा ॥ सजे
सिंगारदुरैनभौंनौनकौनमैजाइ ॥ पलरहेरेपौरकोसबकी
डीठबचाइ ॥२६४॥ बरवै ॥ बलमअबइकीसुनिकइबाढत
चितचाइ ॥ कसबनिठनिकइराषिसउधममचाइ ॥२६५॥ न
रहरअरहरतरहररहेपुलकाई ॥ हियरालागिधकधकीजि
निफिरिजाइ ॥२६६॥ अथस्वाधीनपतिका ॥ जाहिनिरषिकैं

हैरहै प्रीतमअतिआधीन॥ स्वाधीनपतिकानाइकाताहिकह
तपरबीन॥२६६॥ यथा॥ लोगब्रजमंडलकेजांनतजिनारजैसें
तुम्हकान्हकहापैहमहतौकुलकानिहैं॥ चहाचहीनइतब
कहाकहीजातकासौपाछैतौकहैंगोकोउमुहपैनआनिहैं॥ तू
हीकहिबीरटोकैटेरैकहाहाथआवैनेहईकोनातोकोउजांनि
हैसोमांनिहैं॥ पावैजोइकौसोसुतौपूछिपोरीमेरीसौंहहम्हैंतु
म्हैंललाजुकहांकीपहिचांनिहैं॥२६७॥ निसपेलकेकेलिकौ
ठांनिकैकान्हरदौरिकैडारतहौरंगवांही॥ छांडिकैओरसषीन
कौमोसगलागेफिरैनितज्योंपरछांही॥ बावरेक्योंरसषानि
नयेचतुराईतिहारीरषौतमपांही॥ पंचनमांझकलंकचप

३२
62

ईगइकरिजाउ निबाहौंगे नाहीं ॥२६४॥ लाजनिजातिगडीअ
त्तिहीपरछाहीलयेनितहीसंगडोलै ॥ नैकोनकानिकरैकुल
कीमुषमेरोईहेरतितनूकनितोरै ॥ ज्यौंज्यौंहौंआंषिनमेंबरजौं
कबिनाथनमांनतरीबरजोरैं ॥ मेरीघांत्यौंत्यौंअनोषोपरोइउत
उरौनैननिमाहनिहारैं ॥२६९॥ दोहा ॥ मेरेबछतनीलषेगुह्निबे
कीत्यौंनार ॥ लागेनीरचुचानयेनीठिसुकायेबार ॥२७०॥ बरवै:
चाहनिरातिउजरियाआयउपेल ॥ पिअमोरापोलिकिवरिऽ
यौंठछअकेलि ॥ अथअनिसारका ॥ पियहिबुलावैआपुपैऽ
कैपियघरहींजाइ ॥ ताहिकहतअनिसारिकाजेकोबिदकबिऽ
राय ॥२७२॥ यथा ॥ चंडकरमंडलतेग्रीषमप्रचंडघांमघुमडोइ

देवभूमिमंडलअषंडधार॥ कुंजतैं निकुंजमौंनलहलहीडा
रिनहैं द्रूलही सिधारीउलही ज्यौंलहलहीडार॥ नूतनमेहिलनू
तपल्लव निछ्वैछ्वैस्वेदलवनसुषावतपवनउपवनसार॥ तन
कतनकमौंनिकनकन्हपुरपाईआइगइझलकमौंनकनि
कीझनकबार॥ २७२॥ दोहा॥ लाइलालबिलोकीयैं जियकी
जीवनमूल॥ रहीभौनकेकौंनमैंसोनजुहीसीफूलि॥ २७३॥ ब
रवै॥ आइसतुहरेबगवहिंहौंपियमूलि॥ फांदउडरियामांझ
नरातुलझूलि॥ २७४॥ अथउत्मालक्षणं॥ पियकेहितसौंहि
तसदाअनहितसोनहिकांम॥ कबिबरइहि बिधिकरिसबै
कहतउत्मानांम॥ २७५॥ प मेरेतौरोमनिरोमनिवहैबछोआं

३२ 65 नंदत्र्प्रालीनगातसमाही॥रातिजगेकहूंनोरह्यांआयेमैंजां
नीकहाकह्योरोसब्रथाही॥जोंनिसिरोमनिसाहिजहांछबि
नैननहुंउरझीहियमांही॥प्यारेकीमोहनीमूरतिदेषिहोंका
हेकौंरूसीयहौंसुधिनाही॥२७४॥मांनसिषाइदई गईसषीसोह
देषोपततप्यारीबिबैनरूठोहैं॥आयेमनावनलालरहीतकिनि
हैलगैवहतैललचैहैं॥नैननेहमनोहीसीनाहीलषिपि
यआइलजोंहीसीमोहैं॥२७५॥दोहा॥तुहूंकहेहौंआपुहूंसमु
झतिसबैसयांन॥लषिमोहनजोमनरहैतौमनराषौमांन॥२७६॥
५३ बरवै॥मांनकरनकीमननमैंइकीतिसबानि॥ह्यारतरूपठ
गुरीयामुरिमुसिकांनि॥२७७॥अथमध्यमालक्षणं॥दोहा॥

पतिहितकीनेंहितकरतिअनहितकीनेंमांन। ताहिमध्यमा
कहतहैंकबिकोबिदसुजांन॥५॥ आयोभानपतिरातिअनतौंबि
ताईबैठीनोंहनिचढइरंगीसुंदरीसुहागकी॥ बातनिबनाइप
त्यौप्यारीकेपगनिआइछलसोंछिपाइछैलछबिरतिदागकी
छूटिगयोमांनलगीआपुहीसवारनकुंषिरकीसुकबिमतिरां
मपियपागकी॥ रिसहीकेआंसूनयेआनंदकेआंषिनमेंरोसकी
ललाईसोललाईअनुरागकी॥ दोहा॥ मेरेतनकेरोमयेमेरेनही
निदांन। उठिआदरुआगैंकरै करोंकौनबिधिमांन॥२८२॥
बरवै॥ बिहसिनाहगहिलीनीसधनकुइबांह। आंनंदक
नएअसुवांजितदुषमांह॥२८२॥ काहेकेबदनदुराइसइगन

३३
66

रिलीन॥आंनंदरूकइनयेअसुआदुपनवाछीन॥२९३॥अथ
म धमा॥दोहा॥पियसौंहितहूंके कियेकरैमांनजोबाल॥ता
सौंअधमाकहतहैंकबिबरसरसरिसाल॥२९४॥आयोहैंसयान
पणगयोहैअयानतउनितउठमांनकरबेकीवापकरी॥नरघ
रमांनिनीहैमांनतीमनायौतेवेतेरीअैसीरीतिऔरकाहूंपेन
जकरी॥कबिमतिरांमकांमरूपघनस्यांमलालतेरीनैनकोन
ओरचाहैइकटकरी॥हाहाकैनिहोरैहूंनहेरतिहिरननैनीका
हेकौंकरतिहठहारलकीलकरी॥२९५॥दोहा॥येरीयहतेरीदइ
सौंहूंप्रकृतिनजाइ॥नेहभरीहियेराषीयेतूंरूषियूलषाइ॥
बरवै॥जसरखलममनावइ इहकोआन॥तसरमोहचढाव
इइतस्यामांन॥अथ नाय कलक्षणं ॥सुंदरकोबिदरसिक

कवितरुनप्रबीनकुलीन॥धनीउदारकलानिबरनायककहूं
रसलीन॥२८५॥बैतकीछरीहैकांधेपीतपटफेंटबांधैंछिगहैं
कैबनैंठनैंमूल्यौमोहिमौंनहैं॥होतौहूंडगमगातजाननतनकि
तव्जातकिततैहोआइकितरमेरौगौनहैं॥कैसोकेसोराइता
ननननकूपरीहैंकांनदीनौंफिरिमुसिक्याइजरेपरनौंनहैं॥मेरी
हैतूमोसौंमेरीचितठौरनाहिमोरकोपषोबांधैंरैसावरोसौकौनहैं
२८६॥दोहा॥भ्रकुटीमटकनिपीतपटचटकलटकतीचाल॥च
लचषचितवनिचोरचितलियोबिहारीलाल॥बरवै॥सुंदर
नवलछबइलवासरससुजान॥ह्यारतफूटधइलवासुधिबि
सरांन॥अथनायकानैदा॥दोहा॥पंतिउपपतिवैसककि॥
बिधिनाइकभेदबषांन॥ब्याह्योअनुब्याहौअवरबारवधूर

३४
68

तिजान ॥ २८७ ॥ यथा ॥ पाइधरैं दुलही जिहि ठौर रहैं मति राम
तहीं दृग दीने ॥ छाड्यो सषानि के संग को षेलिबो बैठि रहे घर
ही रस भीनें ॥ सांझ इतै ललहैं मन ही मन लालन यों रस के ब
स लीने ॥ लोनी सलोनी के सोने से अंगनि गोनें की चूनरी यों ने
से कीने ॥ २८९ ॥ दोहा ॥ नैकु उतै उठि बैठियें कहा रहे गहि गेह छु
टी जाति नेंहदी छिनक मिंहदी सूकन देह ॥ २९० ॥ बरवै ॥ काधें
का रिकमरिया सटिया हाथ ॥ बरसत घन हिंब चाइ दुलही साथ ॥
अथ पति भेद दोहा ॥ अनुकूल दछ पुनि धृष्ट सठ चौ विधि ताहि
बषांनि ॥ परनारी प्रतिकूल जो सो अनुकूल बषानि ॥ २९२ ॥
यथा ॥ रस के बस मंडन सौं जितै भौर लौं बैठे जगांव हिं आपुन जा

69 गे॥ मोमैंधौंकौनइतौगुनहैंजुसराहतजातसहेलिनिआगैं॥
काहेकौंधौइनहींसिगरेअंगरूपदियोहैहुइबडभागैं॥ काहूसौं
नेकुहसैंचितवैंनहिमोहितौमाइयेनीकेनलागैं॥ दोहा॥ जितैंछ
बीलीपगधरैंतितैंहेरिरहिजाइ॥ कौंहूटरतननिकटतैंजितौ
षरीअनषाइ॥२९६॥ बरवै॥ किहुंतनचितवतनाहिनअसमन
गाढ॥ अंगमनचुनतकरियनजहहौंबाढ॥ अथ दक्ष एलक्ष
ण॥ जाकीनेहसमानहोइसबहितियनकेसंग॥ दक्षणतासौंक
हतहैंजेप्रबीनरसरंग॥२९७॥ यथा॥ चौपरषेलबकौमिलिसौ
तिनआइगयौतवहीरसिया॥ दुहूंऔरकीबोलीबतावैह

३५ १०

महपियबोलेनयौंहमसंत्रलिया॥जीरहैंतुमच्चारहुपासनयूं

कच्चलेतौउघेलकीया॥मनमांनतोमूषनकोबदिकैपियहारे

सबैहुलसानीतिया॥२९५॥दोहा॥मुकतमाललघिललनकर

लैनच्चलीउहिंऔर॥चतुरचितैमुषसुनिकैमकतादियेबिथो

रि॥२९६॥बरवै॥किहकैरीबडडीग्रैंपियाकहउनमान॥सेकरग

हिमुकरदिषाइसबलमसुजान॥मूंदइंअपियनबलमामिहच

नष्याल॥जानइसबधनप्यारहिकरैमहिष्याल॥अथधृष्टल

क्षण॥जाकेचितमेलाजनहिकरैदोषनिसंक॥नाइकधृष्ट

सोजानीयोउरतनएकोअंक॥२९७॥मालोहैफूलकीमालनि

सौंकरबांधौंतउफिरिचोगुनैंचाइन॥सुंदरवासौंकहाषिझियैंन
तजैफिरआपनैसीलसुनाइन॥वाहिरकाढिदियौदैकपाटहोंसो
इरहीपटतांनिगुसाइन॥जोपलमैंपटषोलिकैदेषोंतौपाइतबै
ठपलोटतपाइन॥२९८॥हांतेंदूरिकरौबहुबारनिहारनिवाधि
म्रडनारनिमास्यौ॥छाडतुनांअपनौंअपराधअसाधुसुनाइआगा
धनिहास्यौ वैरनिमेरीहसैंसिगरीजबपाइपरैसुटरैनहीटास्यौ॥
असेअनीठसोइठकहैयहछीठबसीठनिहीकोबिगास्यौ॥२९९॥
बरवै॥नितकाअांनिसतावहिमहिकान्यांन॥ काकहियेइहि
कौइहतजतनइबान॥३००॥अथसठनायक॥नैकनडरअ
पराधतैंकरैकपटकीप्रीति॥मुहमीठीबातैंकरैसठनाइककीरी

३५७२

ति॥ ३० २॥ पद्य॥ सांची तौ कहति औंनबधू रतधू रत हौं पै हौं तुम
बार २ कहा पहचालती॥ चाहियै कि नित नई कृपा करौ हम पर
बूझीयै न औगुन हमारौ जो उछालती॥ दीनानाथ तुम तौ प्रबीन
सब जानत हौं वनलता लेतिते उपतिब्रत पालती॥ आवत मली
न अली केतु की हिरमिदेषी कहूं तन कौ मलीन होत मालती॥ ब
रवै॥ कि हिसनप्रीति तिनकी तिसबल मसुजांन॥ तुहिसनङ्कनबु
लियै महिसन औंन॥ काहे कौ बदन दुरावहु कै इंगलाल॥ त्वार
मयंकन मुषहे सर सिजवाल॥ ३०५॥ अथ उपपति॥ सी षेरसरी
ति सीषे प्रीति के प्रकार सब सीषे के सौ राई मन मन सौं मिलाइबौ॥
सिषे सौ हष्यांननु ठजानमु सिकान सिष सीषे नैंन सैनन सौं हसि
बौ हसाइबौ॥ ५ सीषे चाह चाहे कौ उते सी बातें घातें तातें तावत हैं

73 क्यौंनसीषैनैकुनेहकौनिबाहिबौ॥३०४॥नाहकहीबाहगहीकौ
जैनकुलेकमेरेकाजब्रजराजकाहिकाहिपरिहरिहौ॥कालीदा
समोहिकुलकांनितैंबिहूंनीकरिजेकछूकहततेनपाछैफेरिक
रिहौ॥मिलबेकेहेतरूपसागरमैंसेतबांधिजोंनतिहौंनैनमीन
बिरहबितरिहौ॥करिकैबसीठीमीठीबातैंकहिरैअबपाइनपर
तफिरिडीठिहूंनपरिहौ॥३०५॥दोहा॥लर[illegible]कालेबेकेमिसनलंग
रमोढिगआय॥गयोअचानकआगुरीछातीछैलछिवाइ॥ब
रवौ॥बालमतुमरीबतियनकोपतियाइ॥मांझधारगुनकाट
हुंनाउचढ़इ॥जिहबनबीननफुलवानितकइजाइ॥तिह
बनरसिकनवरवारहिसलुभाइ॥अथवैसिकालक्षणंबरननं॥

२७
७५

मंद२गाइबेकीमुरिमुसिकायबेकीरीझिकैरिझायबेकीलै
नवौंकीतानकी॥भृकुटीनचायबेकीथिरकथहरावनि
कीभुजउचकावनकीकटिथहरानकी॥भुजकीडुलनितैसी
ग्रीवाकीमुरनिचारुअंचरषुलनिछबिकोटितोडितानकी
बरनीनजातमोसोआनंदसोवाकीवहझमकिकैआनिझ
कीफेरिफिरिजानकी॥३१९॥दोहा॥ज्योंज्योंआवतिमंदगति
लहकीलहकीमुसिकाइ॥त्योंत्योंनिपटउदारमननृपनदेतु
मगाइ॥३२०॥बरवै॥मोहनचावनगावनमधुरिसीतान बि
सरीनाहिनमहिकामुरिमुसिकान॥अथऔरनेदा॥दोहा॥मो
नीबचनेकिपाचातुरीतिननांतिपुनिजांनि॥करतनाइका
सौकछूमानसुमानोमान॥३२१॥यथा॥बातकौदेतेअकोरक

रोरनिसासबपौरपगारनजागे॥घूघरूजेहरकौपटकौसुनि
फूलिकैअंगसमातनबागे॥क्यौंहूंमिलापबन्यौकबिधीर॥
सुनीस्यौंरंगहैअंगनिपागे॥वैइहौंवैसैंमिलापकैअब
आवनकौतरसावनलागे॥३२२॥सासउसासगनेंनिसद्यौस
अगोंठउहांलगिकीजतिहै॥तुमआवनहूंउहिंओरतज्यौछि॥
नहीछिनमामिनिछीजतिहै॥मुषदेषनकौवहसाधमरै॥
कबहुतौललासुधिलीजतिहै॥३२३॥घरहींघरघैरुबन्यो॥
घरहीघरहाइनआगनैंसासुनरौ॥लषिमूरियैओररिसाइ॥
सबैसतराइजुसौहैअनेककरौ॥रसषानतौकाजसबैब्रजलौ
गतौबैरीनयौकहुकासौंलरौं॥बिनदेषेंनक्यौंहूंनिमेषलगै

३९ 76 तिरेलेषेनहौंयापरेषेमरो ॥३२४॥ दो॰ मननमनावनकौ
करैदेतरूसाइ२ ॥श्री॥ कौतकलागेपोपियपियाषिजहूंरिझ
वतजाइ ॥बरवै॥ बाउवहैपुरबैयासीकनडोल ॥सासुल
तुमहरौउपुतवामुषहुनबोल ॥३२६॥ बचनचतुरयथा ॥ऽऽ
केसरीयापटकेसरषोरिलसैउरगुंजकौहारछुरारो ॥देष
तिहौकबकौहरिकैसैपरेअगनातुमडीठनयारो ॥कोहोजू
आपुनयाछ्बिसौंचनिठठेबिकाउसेरोकितुआरो ॥हूंतौबि
काउजोलेतबनैमुसिकौनितिहारीहैमोलहमारो ॥३२७॥
दोहा हूंनकरतिमननांवतीरतिबिपरीतबिचार ॥क्यौनमि
लावतदेहसोयहतौपरमपिकापरअनिचार ॥३२८॥ बरवै

बेसरकैरेमुतियाबडतपकीन॥सुनवाँकैइसंगलागजाधररस
लीन॥३२०॥या॥झूमेसेनैनश्रोघूमीसीचालहसीहीसीनोहरिसी
हीसीकीने॥मानन्किकेचलेद्वारहैश्रोरकीसेजसरूपठगोरीसी
लीनें॥हारहठीलीगुमानमैबोलीजबैउठद्वैपियआगेहीदीनें॥
ठठेहीनेवकहीगोकछूएमहमदसाहसनेहकेभीने॥३२१॥दो
हा॥नाकचढेसीबीकरैजितैछबीलीछैल॥फिरिरनूलिव
हैगहैप्योककरीलीगेल॥बरवै॥ठीलवाकजलश्चवतेत
रूनिसुचान॥करठसकाइकरउनामुरिमुसिकान॥अथदरस
दरसनचारिप्रकारकेश्रवनस्वप्नश्ररचित्र॥चौथोहैप्रतच्छ
सबकहतरसिकजनमित्र॥३२२॥अथश्रवनदरसन॥यथा॥

सावरौसुंदररूपअनूपहैबिसालहैंनालबडे२नैनरी॥पा
वनआवतगैयनलैनितदेवदिषैयेनकौचितचैनंनरी॥मैहू
सुनीसुकहाकहौलाजकीबातकहूंसषीतूकहैयेनरी॥वाज
गवंचकदेषैंबिनादुषियाअषियांननरंचकचैनरी॥२२३॥दो
हा॥ चटसुनतरूपगुनरावरौपरीरहंबाल॥तबहीतेबिल
षीफीरैषरीबिकलबेहाल॥बरवै॥ आधिकरातअधिरिया
अतिसुकुमार॥सुनिकैबलमकहनीयामइमतवार॥अथस्व
पनदरसन॥यथा॥ सापनेमैगइदेषनकौसुनिनाचतनंदज
सोमतिकौनट॥वामुसिक्याइकेभाइकभाइकेमेरोइषेचि
षरोपकरोपट॥तैसेहीगाइरभाइउठीकबिदेवबधूनिमथ्यो
दधकौमट॥ चौकीपरीतबकान्हकहांनकदंबकीकुंजनकालिं

द्रितट ॥२२४॥ हिलिमिलिबातनि बिनोदसौ बिरहब्याधि
दूरि कीनी आनंद उउमगि उफनात भी ॥ नागनिके जागनि
औ लागनि हियेके बहु नैंन अनुरागन सनेह सरसात भी
ता छिन मैं आषिन तैं उचटी नी गोडी नींद ना षिन सकतसा
नाके सोउत पात भौ ॥ द्वारि मैं किवारी षोल अटन अटारी च
ढि टेरि रहारी री बिहारी कत जात भौ ॥२२५॥ अन्यच ॥ नवौढा ॥
सोइ गइ अभिलाष भरी तियु सापनें मै निरष्यो नंदनंदन ॥ दे
व कछू हसि बात कही पुलके सु हिये झलक्वे जल के कन ॥ श्री
जागि परी नव रूढ बधू ढिग दूढति गूढ सनेह सनी घन ॥ सो
चस को अच अगोचर तीय न सै बिलसै बिहसै मन ही मन ॥२२६॥

४० 80

मुरलीधरस्यांमसषीसुपनेमैमयाकरीमोतनआइगोनेरे ॥
आवनहीमैलटुहैगइतनकौनरहीसुधिवाछविहेरे ॥ चाह
तिहीकछूपीरकह्योअवहोतकहापछितातघनेरे ॥ जातरह्यो
भुलिगेदोउनैनकहींनगईजुहुतीमनमेरे ॥ ३२७ ॥ दोहा ॥ दे
षोजागितौवैसियेसांकरिलगीकपाट ॥ कितहैआवतजातह
रिकोजांनैकिहिवाट ॥ ३२८ ॥ बरवै ॥ यहमूरतमनअटक्यो
कहाकरवीर ॥ विरहविथाकोदुषवाधरतनधीर ॥ या ॥ न्यो
तेगइवृषभांनललीललिताकेजहांपतिप्रीतिपढीहै ॥ नी
तिमेप्रीतमदेषिलिष्योनवलाकेहीयेनवलाजवढीहै ॥ ७ ॥
आंषिनमेजोसीअंगपसीजोसीछोहनिछीजोसीमोहमढी

८४। चौकिचकीससकीनसकीचितमितकीमूरतीचितचढीहै॥

॥३२९॥ दोहा॥ दुचितैचितहलतिनचलतहसतझुकतचितचा

रि॥ लषितचित्रपियलषिचितैरहीचित्रलोंनारि॥३३०॥ बरवै॥

पियकइमूरतिकरगहिद्यापतिनारि॥ नइछलकतनकसथ्था

पुनजसमतबार॥ अथसाक्षातदरसन॥ आइहीगाइदुहाइ

बेकौंसुचुषाइकेलीनवछाहूकोवेरति॥ नैकोंडराइनहीक

बकीवहमाइरिसाइअटाचढिटेरति॥ योंकबिदेवबडेषिन

कीबडडेडगबीचबढेडगफेरति॥ होंमुहहेरतिहोंजबकीत

बकीयहमोहनकोमुहहेरति॥३३२॥ नीरनइब्रजमंडलमे

गिरिपूजनकोजनकोसुषन्यारो॥ देवसयोगतैसोहैंनयेदो

५२ 82 उराधेइतैउतनंदद्दुलारो॥नैनकीसैनसयांनीसषीनुइतैउत
कौमगनैकुनिवारो॥मोंहैंहसाइहियोहुलसाइषिलेबिहसा
इमिलेद्दगन्चारो॥२३२॥राजतहैचंदवासषिमोरकेतैसीयैसु
द्दरपागरसीहै॥तैसीयगोरजमालबिराजततैसीहियेबनमा
ललसीहै॥रसषानिविलोकतबौरीमइद्दगमूदिकैगुवारि
पुकारिहसीहै॥षोलरीआषनिषोलोकहावहमूरतिनैननन
माहिबसीहै॥२३३॥द्वारतैबोलसुन्योजबहीउठिउठमूकैच
लीप्रेमकेचेरै॥दैकरिएककिवारलगीधरकैछतीयाचितवै
चहूंफेरै॥सिरोमनिम्वारिरहीजकिकेउरआनंदलाजफिरै
तहानेरै॥उहांनिरषैगुरनारिनत्योंअटकीइतमोहनकोमुह

हेरें ॥३३४॥ इकतौ उरऔरउरोज अनूपमतैसे मनोहर हार मु
हारी चित चलै तरुनीन हूकौतरुनैनकी के आवु बात कहारी
हितकी हितसौं कहिही पर आवतु कौलगिहौं हुरी कौतकहारी
अंचरदैं नंदलाल बिलोकत राद धिनो षी बिलोवनहारी ॥३३५॥
दोहा ॥ देषत कछु कौतकइतैं देषौ नेंकु निहारि ॥ कबकी इकटक
हूँ रही टटीयां अंगुरीन फारि ॥ ३३६ ॥ बरवै ॥ बालम तु हित तन
चितवैं गगरी गइ फूटि ॥ अंचर गइल फहराइ लाज गइ छूटि
३३७ ॥ अथ उद्दीपन ॥ दोहा ॥ बन बिहार उपबन गमन नाच गी
त मुष साज उद्दीपन श्रंगार के ससि सरोज रितुराज ॥ ३३७ ॥ सु
नि कै धुनि चातक मोर निकी चहूं ओरनि को किल कूक निसीं ॥

४२ अनुरागनरेसषिबागनिमैंहरिरागतरागअचूकनिसौं ॥
८५ कबिदेवबटाउनइज्जुनइबनभूमिनइद्दलदूकनिसौं ॥ रंगरा
तीहरीहहरातीलताझुकजातीसमीरकीझूकनिसौं ॥ ३३९ ॥ सुंद
रिबारसवारनकारनबैनीबडीसजनीसौंछुडाइ ॥ कांनन
आंनिपरीमुरलीमनकान्हकेदेषनकोंअकुलाइ ॥ सोरनफैलि
रह्योसबठौरनिहाथसषीकेछुटाइकैधाइ ॥ चंदमुषीउलटेभु
जकैउचकेकुचकेकचबांधतिआइ ॥ ३४० ॥ हियोऔरसीहै
गइटरेऔधकेनांम ॥ दूजैकरिडारीषरीबौरीबौरेआंम ॥ ३४१ ॥
बरवै ॥ काटहुपेउपलसषहिदेउबहाइ ॥ जिहिकाफूलमन
षेचतअकुसीलाई ॥ ३४२ ॥ अथ अनुभाव लक्षणं ॥ दोहा ॥ जे
रसकौंप्रगटकरैतेअनुभावबषांन ॥ हसीकटाछनुआदिदै

बरनतरसिकसुजान॥३५३॥यथा॥चंपकपातसेगातमरोरिकरो
रिकमाइसुनाइसचैयत॥मोमिसनेटनदूनरिऔंकामयंकसे॥
आंननओटअचैयत॥देवकहैबिनबातचलैनवनीलसरो॥
जसेनैननचैयत॥जोंनतिहौंभुजमूलउचाइदुकूललचाइ॥
ललालचैयत॥३५४॥पाछेतेपियआइकैचानकमूंदेनैन
मनहीतबहीलष्योनैननपरिगयोचैन॥३५५॥बरवै॥बालम
तुमरेचितवतभइमोरीहांनि॥सिरकीफूटमटकियाछरिगवो
पांनि॥३५६॥अथसंचारी॥सकलरसनिमेसंचरैंतेसंचा
रीजांनि॥होतद्विबिधसारीरएकआंतरओरसुजांन॥३५७॥
सात्वकैहैसारीरअरभेदआठहूमांन॥तंनस्वेदरोमंचसुर

नंगकंपपहिचांन ॥३४८॥ बिरनअौंसुप्रलयसब ग्रंथ॥
नकेमतमान॥ निर्बैदादितेतीसअरुअंतरसंचारीआन॥
३४९॥ सात्विकभाव॥ आजुअकेलीगइअरिकैंबनबेलिनु॥
मैंसुहराउरझायौ॥ आइकैछैलदियौसुरझाइकैंनाथउरौ॥
जनहाथूलगायौ॥ पीरीभइछबिसीरीभइअरुरोमउठेअंसु
वाठहरायौ॥ स्वेदबढ्यौओचितौतरहीकछुबातनआइग
दौभरिआयौ॥ ३५०॥ सुंदरसोवतिमंदिरमैंसुपनेंमैकहूंनि
रष्यौनंदनंदसौ॥ त्यौंपुलक्यौजलसौंझलक्यौउरओचकहीं
उचक्यौकुचकंदसौ॥ तौलगिचौंकिपरीकहिदेवसुजांनिय
स्योअभिलाषअमंदसौ॥ आलिनकौंमुषदेषतहीमुषनाम

८७

तीकौनयौमोकौचंदसौ॥३५१॥दोहा॥डिगतपांनिडिग

लातगिरलषिसबब्रजबेहाल॥कंपकिसोरीदरसकेषरेल

जोहैंलाल॥३५२॥बरवै॥मगमैमिलासलुनवाजातिश्रके

लि नैननननीरढरिगवाथकततनवेल॥३५३॥अथअंतरसं

चारी॥जावरीतेकांनवाकेबंसीकीधुनिपरिकांनताघ

रीतैंभयौनिर्बेदग्लानिहैंभइसंकाअसूयामदश्रमआलस

दैन्यचिंतामोहश्रौसुम्रतिघ्रतिलाजचलतालइ॥हरषब्रज

डदुषबेगगर्बउत्कंठानींदअस्मृतिसुपनश्रबबोधक्रोधहुछर

इ॥अवअवहित्थमतिउग्रताश्रौब्याधिम्रतिषरीउन्मादतर्क

त्रासनसंचैरइ॥३५४॥जबतेकुवरकांनरावरेकलानिधां

४४ 88

नपरीवाकैकानकहूंसुजसकहानीसी॥तबहीतैंदेवदेषोदेव
तासीहंसतिसीरीझतिसीषीझतिसीरूसतिरिसानीसी॥छीही
सीछलीसीछीनलीनीछकीसीजकीसीटकीसीलागीथकीथ
हरानीसी बांधीसीबंधीसीबिषबूडतिबिमोहतिसीबैठीवह
बबकतीबिलोकतिबिकानीसी॥३५५॥अथश्रृंगारलक्षण॥
रतिथाइकीप्रगटतापरिपूरनजबहोइ॥तिहिसिंगाररसक
हतहैंमदनमंत्रमयसोई॥३५६॥द्वैबिधिकोश्रृंगाररसकहि
संजोगबियोग॥दुहूंमिलैसंयोगगनिबिछुरबियोगप्रयोग
३५७॥यथा॥रीझीरीझिरहसिरहसिहंसिहसिउठैसासैभरि
आंसूभरिकहतदईदई॥चौंकिचौंकिचकिचकिऔचक
उचकिदेवछकिछकिबकिबकिउठतबईबई॥दुहुनकोगुनरू

पदोउबरनतफिरैघरनघिरातरीतिनेहकीनइनइ॥मोहिमो
हिमोहनकोमनभयोराधामयराधामनमोहिमोहिमोहन॥
मइनइ॥३६२॥चौदसकोचंदतैसैअटारीबिलंदमहाचाद
नीअमंदसांचेरूपकेमेठरहैं॥फैलिरहेफूलचारुचिलके
दुकूलसेजबैठेतहांदंपतिसिंगारनसवारनैंहैं॥होतलेहदेह
रसमसेमदनेहछूटिरलिपटातजिषदुहुनकेप्यारहैं॥एक
औरसारीजरतारीकेउडततारएकवोरटूटिपरेमोतिनकेहा
रहैं॥३६३॥एकपरजंकपैनिसंकहैमयंकमुषबैठेहुतेदोउ
अनुरागनरैरतिया॥पीवतमधुपसेमधुरमधुसोंछनुको
हरषिहरकिकेकहतपीवातियां॥लीनीनरिझिककलिपटाइ

८५ ९०

कै किसोरी बालक रिनरि नोलानाथ मेंन सरधतिया॥ करकनि
चूरी लागी सरकन सासे ऋरुद्दर कन ऋांगी तैसै घरकनि छति
या॥ ३६२॥ दोहा॥ दोउ चोर मिचनी षेलन षेलअघात॥ दुरत
हियै लपटाइ कै छुटत हियै लिपटात॥ ३६३॥ बरवै॥ करगहि
लीन उबरीया मांझ पियार हासि करिलागि हियरवा सुष कीडा
र॥ ३६४॥ अथ हावलक्षणं॥ दोहा॥ जो सिंगार तैं चेष्टा उपजत
सोइ हाव हेला लीलादिक सबै तिनके नाउगनाउ॥ ३६५॥ हेला
लीलादिक सबै तिनके नाउ पुनि ललित दं बिभ्रम सु बिलास
बिहुत कहौ किलकिंचात हिऋर बिब्बोक प्रकास॥ ३६६॥ मोटा
इत कहि कुट्टमित छौठो ऋो बिछिति॥ हंसित ऋादि दै नेक बिधि

९१ बरनतसुकबिसुकिति ॥ ३६७ ॥ दोहा ॥ अपनैरसबसकैतिया
पतिकोलेइलगाइ ॥ हेलातासोंकहतहैरसिकलालसुषपाय
३३८ ॥ अपनीकुललाजगहेरहियेतकियेनकहूंकिनकोउयू
तैया मंडनबेसबनेसुकमैंसबनाउधरैंकहिकासोंलरैया ॥ ज्यो
छिगबैठसिषावतिमाइउतैपियत्योतकिप्यारीडरैना ॥ डीठबचा
इचितैबौकरैरूहरैहीहरैहीकरैना ॥ ३३९ ॥ सोरकरैजुगसोजुग
मारिसहेलीकोहाथहथेलिनिटलै ॥ मंडनआपनोंपासोपरै
तौपराइपैसारिकहूगहिमिलै ॥ नारिनमैलडबावरीहैअन
जीतहीसुदरिहाथसकेलै ॥ काललषेकहूंसांकरीबोरिउतै
चितवैइतचोपरिषेलै ॥ ३७० ॥ दो ॥ लहलहाततनतरुनइल
फिलगलेंलचजाय ॥ लगैलाकलोइनभरिलोइनलेतलगाइ

८६
९२
बरवै ॥ सषि सन करइ ठढु लिया पिय तन ष्यारि ॥ उत मन ष्याचत चितवनि अंकुस डारि ॥ अथ लीला हाव ॥ पिय को भेष तिया करै जब ऐंचा पिउ रलाइ ॥ लीला कहत तबै सबै रसिक चतुर कबिराइ ॥ २७४ ॥ बेठी सीस मंदर मैं सुंदरि सवार ही की मूंदि कै किवार देव छबि सों छकति है ॥ पीत पट लकुट मुकट तबन माल धरैं भेषु करि पी को प्रति बिंब मैं तकति है ॥ होति ननु संकु उर अंक भरिने मेटबे को भुजनि पसारति समेटति जकति है ॥ चौंकति चकति उचकति चितवति कहूं झूमि लल चाति मुष चूमि न सकति है ॥ २७५ ॥ कहा इतरात जात इहां आऔ सुनौ बात देषै मन कं ठ सुष जात निसमाइगौ ॥ गोरे बैस भोरे भाव चोरे लेत लंका चित कुंडल श्रडोल हेरि हिय पराइगौ ॥ तुम कान्ह सावरे सिधा

१३ रदेषौनेरैकुंजमेरेगोरेकान्हदेषिनेनाललचाइगो॥ ग्रीवांकीलटकमुरिमोहकीमटकबीचचीराकीचटकमैंअटकमनजाइगो॥
२७६॥ राजपोरियाकेरूपराधेकौबनाइल्याइगोपीमथुरातेमधुबनकीलतानमें॥ टेरिकह्यौकान्हसौचलौहोतुकेकंसचाहेंकाकेकहेलूटतसुनैहोदधिदांनमे॥ संगकेनजानेगयेडगरउरानेदेखस्यामससुवानेमेयेकटपायेपानिमें॥ छूटिगयोछलयोछबीलीकीबिलोकनिमेंरीलीनइमोहेबालहीलीमुसिकानिमें॥२७७॥
दोहा॥ राधाहरिहरिराधिकाबनिआयेसंकेत॥ दंपातिरतिबिपरीतिसुषसहजसुरतहूलेत॥२७८॥ सीसमुकटकटकाछनीमरीगोरोग्वाल॥ हेरतहीजेहैगरबचलियेउतगोपाल॥२७९॥
कबित्त॥ सिरपैमुकटकंधैयापटपियरांन॥ करिकैंअभषकन्हरका

९८
९५

चलिसअन्हान॥३९०॥अथ ललितहाव॥ अंग२कीललितत
हांजहांबरनियैआंनि॥ ललितहावतासोंकहैंसबैंसुकबिसुन
बांनि॥३९१॥ कुंदनसेअंगनवजोबनसुरंगउठेउरजउतंग
धनिप्योजुपरसतुहैं॥ सोहतिकिनारीवारीतनसुघसारीदेव
सीसरफूलअघुल्योदरसतुहैं॥ बंदियांजराउबडेमोतिनुसोंनी
कीनथ्यहसतिनस्योंननसोंरूपसरसतुहैं॥ गोरीगजगोनीलौ
नीनवलदुलहीयाकेनागनरेमुहपैसुहागबरसतुहैं॥३९२॥
बागकेबगरअनुरागभरीघरीघेलफागुअलबेलीमनमोहनी
गुपालकी॥ कालिंदीसललितललौहीछबिकलकतिनथ
मुकतानकी॥ कपोलनकीनालकीराजकरोइंदुअरबिंदसों
नआजुकाजअसीछबिदेषियतबदनरसालकी॥ बरूनीपल

१५ कपरभ्रकुटीतिलकपरबीरीअलकपरझलकगुलालकी ॥ ३९३ ॥
पीछेंबरबीनैंबीनिंसंगकीसहेलीआगेंनारडरभूषनडगरडारैं ॥
छोरि २ ॥ मोरैंमुषमोरनत्योंचोंकतिचकोरनित्योंमोरनकीओर
नीरदेषैंमुषमोरि २ ॥ एककरआलीकरउपरहीधरैंहरैंपगधरैं ॥
देवकहैंचितहरैंचोरि २ ॥ दूजैंहाथसाथलैसुनावतिबचनराजह
सतचुनावतिमुकतमालतोरि २ ॥ दोहा ॥ चुनरीस्यामसतारनभमु
षससिकीउनहारि ॥ नेहदबावतनीदलोंनिरषिनिसांसीनारि ॥ ३९४ ॥
बरवै ॥ सुरंगचुनरीयामिहदीहाथनमांझ ॥ अससोहितजसफूलि
ससावनसांझ ॥ ३९५ ॥ अथमदहाव ॥ जोबनरूपसुहागतैंजहां
करतिअधिकाई ॥ ताहीसोंमदहावसबकहैकबिनकराव ॥ ३९६ ॥
कांन्हमुठीमैंछिपाइछलानिजप्यारीढिंगबोलीसोंबातबुझावे ॥

५९
96
सोचकरैकहिबेकोडरैतियकेतौउपायकैबातबनावै॥प्रेम
छकीलडबावरीकेपरिहासकैझारपहारखतावै॥झूठैंलरैसत
राइअरैरिसकैहसिकैपुनिराखिबछवै॥३९५॥दोहा॥करजोरैबि
नतीकरैदृगदेपैलललचात॥रूपमानकेमदछकीसधेंकहति
नबात॥३९६॥बरवै॥जसबिनतीकरैबलमाधनकइगाढ॥तस
दिषराइअंगुछवाबिहसइगाढ॥अथविभ्रमलक्षणं॥अलंकार
अरुबसनजबउलटैपहनतिबाल॥बिभ्रमजानतहावतबनि
रषिहोतबसलाल॥३९७॥यथा॥मनमोहननकोसुनिआवनप्या
रीहियेकेहुलासकहूंनसमाती॥मंडनअंगसिंगारकियेतसबे
उलटेकछूयोंअकुलाती॥आषिकोकाजरदीनोलिलारलिला
रकौसेंदुरदैलियोछाती॥आजिमहाउरसोंअंषियांमनोप्रेमके

रंगमइ रंगराती ॥३९४॥ दोहा ॥ चली अली कही कौंन पै बढे को
नकै भाग ॥ उलटी कंचुकी कुचन पै कहै देतु अनुराग ॥ ३९५ ॥
बरवै ॥ आवइ लाख बलम किंहु कह सि कि आज ॥ बिहसि हिये
धनि पहरिस उलटउ साज ॥ अथ बिलास हाव लक्षण ॥ बेलन
बोलन हसनि मैं चितवति मन के भाव ॥ उपजत बिबिध बि
लास जह कहि बिलास वह हाव ॥ सबैं मिलि पूजन गौरी गइं
सिगरीन कछू कछू नैंन सो कीनों ॥ काहू तौ मंडन तेल तमोर
कौ काहू महावर कौ गुन लीनौं ॥ प्यारे पुरान कह्यौ सु सुन्यो तौ ति
य ओट दियें मुष आचर झीनों ॥ औ च कही चितयो उतनौ कु
रह्यौ न गयो मुरिकैं हसि दीनौ ॥ ३९६ ॥ बेलत फाग सुहाग भरी
ब्रषभांनलली नली नां तिउ मंगसी ॥ घूंघट ओट किये र

४९ 98 घुनाथ गइ हरि पै छाकि छूटि कै संग सौं ॥ चौकि तिरीछे चितै मु
सिकाइ फिरी पिचकारी लगाइ कै अंग सौं रीझि रहैं वह भाउ चि
तै अरुझी जि रहैं वार गीली के रंग सौं ॥ ३९२ ॥ पाइ ऊंवाव तिही
नंदलाल सों ओठनु एंठ तिरी झिनरी सी ॥ चारु महा कबि की कुबि
तासी लसै दुलही रससों उलही सी ॥ सी बीकरै तरवास हरावत दे
हलसै भरी नेह ज्यों सीसी ॥ दंतनि की दुति वाहिर ह्वै करि जाहिर है
ति जैं वाह रखी सी ॥ ३९३ ॥ झूलत हिंदोरैं उठै छबि की झकोरै मन
माधुरी मैं बोरैं पांन पान मुसिकांन की ॥ ज्योरै दृग कोरै हिये सब के
मरोरै मानो सोमा चौर छोरै दुति पट फहरांन की ॥ जोबन के जोरै
झूल थावति निहोरै हूंन चौपद हुऔरैं छुवै फुनगल तांन की ॥
बैनी लै हिलोरै फूल छोरै हार डोरै लषि आली तिन तोरैं सुधि मू

११ लीगांनतांनकी॥ ३९४॥ एकदिनापनघटजातमिलीमोहनकौ
उरजउतंगरंगरूपसरसानीहै॥ दौरिकान्हगहीतबहरबराइ
हाहाकहीचौरहोंमिलौगीलालराषहुनिसांनीहैं॥ दैगइअंगू
ठीफेरिछूठीहैगइसुगइनिरोतमषरिकमाङिस्यांमपहिचांनी
हैं॥ क्योंजूतुमवेइहोजुवादिनामिलीहीहमैहोंजूहमवेइकहि
ग्वालमुसिकांनीहे॥ ३९५॥ दोहा॥ हसिओठनबिचकरउचैकि
यैनिचोहेनैन॥ षरीअरैपियकैपियाबीरीलगीमुहदैन॥ ३९६
सवैया॥ गोरीपूजनबैठिपकरतिसदांन॥ ओटउहाथललनत
वमुरिमुसिकांन॥ ३९७॥ अथ बिहतहाव॥ बोलनऔसर
लालसोंमुषसोंकछैनबात॥ बिहतहाववतासोंकहतजेकबिता

५० 100 अवदात ॥ ॥ २९७ ॥ पनेटनइपियमोउतीसोंइकअसमैंआली
कह्योबिहसाइकै ॥ कीजैललारसकेलिअकेलीपैकेलीकै
मौननवेलीकौपाइकै ॥ नोहैंन्रमाइकछुइतराइकछुकरिसाइ
कछुमुसिकाइकै ॥ षेचिषरीदइदौरिसषीकैउरोजनवांचस
रोजफिराइकै ॥ २९८ ॥ सासुकुकीसुरहीमनमांनिलिषैनषसों
निरषैपरछाही ॥ गाइगयेपियपूछनलागेसिरोमनहाथगहै
मुसिकाही ॥ चाहतहींहरितोलगिनीरगरौंनरिजाइनरौंचष
मांही ॥ बातकहीनपरीमुषमोरिखुलाकैसीसगइकरिनांही
२९९ ॥ आजकहूंलालनगयोहोबृषनांनभोंनठाडीहुतीना
उतीबिलोकातिकनपियां ॥ हेरिहंसिकह्योहरिहेरतिकहा

10

होतुमउतरनदीन्हौलचिवनीपलषिया॥नीरेंनियराइसमु
हाइकैचकोरचषचाहतदुरतमुषचंदमधिसषिया॥ज्यौंज्यौंल
लचातनोलानाथमुजनेटनकौत्यौंत्यौंसकुचातीपटओटहूं
केअषिया॥५०१॥सुनिकैसषियांनिसांमांननरीलषिसावरेकौ
ननेहनही॥धरिगोरससीसचलीछबिसोंहरयेंहरयेंकहि
लेहुदही॥मिसदोनकेकान्हरआंनिगहीकहिबेकोकछुयेंनजा
तकही॥मुसिकाइकैत्यौरचढाइतियाकटिपैकरदैहरिदेबिर
ही॥५०२॥दोहा॥फूलचुनततलषिलालकौंनयेकरीलेगात
हरिपूछोकंटकलगेलाजनकछतनबात॥५०२॥चहतहुती
कहिहोंकछुबिरहकथापियपाइ॥एकोबोलनकहिसकीचि
त्वततरहीलजाइ॥५०३॥बरवै॥आंनिअचानकबलमाकरग

हिलीन्ह बिहसिबाहतनलाग्यतउत्तरूनदीन्ह॥७०३॥अथ बिल किंचित हाव॥चाहरोष अम हरष उआंसु हसि गुमान॥उपज
तयेक हिसमैं जिहयह किलकिंचत हावैं जान॥७०४॥यथा॥छोरि
कै आंगी अकेली लगैं छतीयां के नषछत नेह निसानी॥ठाढीही
रूपमैं बाढीतहांहीहै दुख्योल लचाइ ललारस ग्यानी॥हेरिल
यो हहरी ठहरी छहरी हित होसहसी हुलसांनी॥चौकि चकी
उचकी लचकी कचलेकुजयैचतुरीसकुचांनी॥७०५॥मांन
समैंमनहा रि बहू मुसिकाइ हसै अगियां न उतारै॥मंडनडे
रिकेछोरतहीरिसकैमिसकैअगुरीगहिमारै॥लल्ला अपनो
मननायोकरैसुचुरीजनकेजबहाथनिकारै॥कोहलसी

103 कुहकै बहकै सिसकै सतराइ झुकै झझकारै ॥८०५॥ मीडत उरो
जरूषरी सकै प्रगट प्यारी मृदिमृदि दृगनि बदन सिसकीन रै
लीलाधरनी बीगुन छोरत छबीली डिझकारै कुकै प्रीतमकै
कर करकर सो छरै॥ मुरि जाइ अरसाइ सतराइ बहुरो सरीति
रमत अनेक बिधि बितरै॥ केलि चित चाइ करै प्रेम हियराइ
करै हाहा करै नाही करै हियो हरै बिहरै॥८०६॥ नारि अरूना
हद्दोउ षेलत नरद हुते आप आप जीत बल बीर चित ठानी है
चातुरी की चालि चलि बिरस बंद कीये गोट को निबाह ना
ही बात बितनानी है॥ दाउ दे बिहारि को सुछल कै मिटायो बा
है लाल ल्यो कर तबसी करि रिसानी है॥ नासिका सको रिपु
निमौह हनि कौ जोरि नैन त्यौर नित्तरो रिमुष मोरि मुसकानी है

५२
१०५

दोहा ॥ रमनकह्यौहठिरमानिकौरतिबिपरीतिबिलास ॥ चित
इकरिलोचनसतरसगरबसलज्जसहास ॥ ५०८ ॥ सुनिपगधुनि
चितइइतैंन्हातदियेंहीपीठि ॥ चकीझुकीसकुचीडरीहसीलजी
हीडीठि ॥ ५०९ ॥ बरवै ॥ नपछ्छतह्यारतह्यारतबलमसुजांन ॥ ०
चौंकिचकिसकुचीतियमुरिमुसिकांन ॥ अथबिबोकहाव ॥ क्रू
ठेकरेंअनादरेंचितमैंहितकीचाह ॥ ताहिकहतबिबोकमि
लिसबैकबिनकेनाह ॥ ५२० ॥ यथा ॥ आपुनहीसजिबैठेहेंमंडन
अंगसिंगारसबैअधिकोंहें ॥ जोरतिआषिनकोपसुहागिल
मोरतिओठमरोरतिभोहें ॥ हासीमैंहासीचलीरसहांरसधौंसहि
देषिललालललचौहें ॥ बातनहीबहरावतिजातिझुकावतिनेकु
नआवतिसोहें ॥ ५२२ ॥ कौनहेंजुद्धांडोमगजातीहौंपुरंदरजूहरें

105 गरैबोलगहैंचौरनकीबानिहैं॥ बोलिउठीसषीयहललीब्रष
भांनजुकीजातीमथुरातैंकतरोक्यौपथुत्र्यानिहैं॥ कौनब्रषभां
नकौनतुमकहाजानैंहमएसेहितुहमकोंहजारकीनकानिहैं॥
मंदमुसिकाइकह्यौराधिकाप्रबीनचलिबावरीजगातिनसोंकहा
पहिचानिहैं॥ ७२॥ अंततेनआयौपाहीगावरेकोजायौनाइबापु
रीजिवायौप्याइदूधबारेबारेकौ॥ सोइरसषांनिपहिचानिकानिछो
डिचाहैंलोचनलचैयाओनचैयाद्वारेद्वारेकौ॥ नैयाकीसोंसांच
कछूमटकीउतारेकौनगोरसकेढारेकौनचीरचीरडारेकौ॥ यहदु
षनारीगहैंडगरहमारीमांझनगरहमारोबारोबगरहमारेकौ॥
॥ ७३॥ छीरजोचाहतिचीरगहैंनेकुलेहुनछीरजुकेतैंअबेहो
चाषनकेमिसमाषनमांगतषाहुनमाषनकेतकुप्येहौ॥ जानत

५२ १०८ होंजियकीरसमानिसुकाहेकोएतकबातबदैहौ॥ गोरसकोमि
सजोरसचाहतसोरसकोन्हजुनेकैनयैहौ॥४३४॥ दोहा॥ प्रान
पियारौपगपत्योतूंनतकतउहिग्रोर॥ ग्रैसेउरजकठौरतोन्याय
हुउरजकठोर॥४३५॥ मारगरोकघरेनयेहुरेदुरैहरिग्राइ॥ जा
निकह्योतुमहीचतुरहसिग्रोठनबिचकाइ॥४३६॥ परौल्गाल
चारीकरैसुनिबहरातिबाल॥ नैननिजोरेमोरिमुषघरोषिजा
योल्गाल॥४३७॥ ग्रैडेहीग्रैडिफिरोकमरिंधरैंबिसात॥ परघर
ग्रावतनहीडरतचरवाहेकीरात॥४३८॥ बरवै॥ जिनमहिधाक
उद्धिठवाकिह्यारि॥ जबमोरीसासुल्सुनइकसगतिह्यारि॥ महि
सनकरतठुल्लियांतुमग्रसकोइ॥ देषिल्लग्रवहिननदियातो
कसिहोइ॥ ग्रथमोटायततलहानं॥ बरवै॥ लहणमाना॥

107 उगनिसकलद्दलइकमैंसूरबिराम॥ छंदसुलषियैबरवैके
हिहरिराम॥ कोनसुजावैआपनोतियअगरायजनाय॥ पिय
छिगताहिछिपावइमोटायतकहिजाइ॥५१९॥ बातनहींकछु
आजुसहेलिनुसांमकोरूपअमोलककांक्यो॥ इतनेहीमेंमंड
नबागोबनाइकहूंतेअटाचढिआपुनुऊंक्यो॥ उलहेसबअं
गदुरावतिप्यारीरहैनहियोहटकोअरूहांक्यो॥ उचकेहाथउते
अंगरातिजनांतिइतैमुषचाहतिधंक्यो॥५२०॥ दोहा॥ मतिरां
मका॥ ऊंठेहीब्रजमैंलग्योमोहिकलंकगुपाल॥ सुपनेहूंकब
हूहियैंलगेनतुमनंदलाल॥५२१॥ कान्हकहूंढठेलषेनये
कुटीलेगात॥ तनतोरैगोवैबदनकरजोरेजमुआत॥५२२॥
बरवै॥ घाषिबल्लमकाढढमइलगतिहीन॥ कंटवालागया

इमोरेदइकाकीन॥४२३॥ अथ कुट्टमित हाव॥ जुहैंहीसुष
मैजहांकरैंकलहके भाइ॥ ताहिकुट्टमितकहतरसिकलाल
सुषपाय॥४२४॥ यथा॥ षेलतहोरीकिसोरीछकीछबिछैल
छबीलीरगीरंगुलालसों। डारतकेसरकीपिचकारीभरैंनरी
झोरीअबीरगुलालसों॥ नाथहियेसौंलगाइलइलिपटाइकै
कौलमुषीइकष्यालसों॥ छोरोनहोइककोरोनहोरंगबोरो
नहीसतरांनगुपालकौं॥४२५॥ सोनेकीसीबेलीअकेलीअ
लबेलीद्वारमहियामतिरांमआषिनसुधाकीबरषासीभइग
इजबडीठवाकेमुषचंदपहिया॥ नेकनीरैजाइकरिबातनिल
गाइकरिकछुमनपाइहरवाइगहिबहिया॥ सेननचरचि
लइगौननषकितभइनेननिमेचाहिकरैबैननिमैनहिया॥

४२५ ॥ मोह निद्रा सति मुख नटति आंषिन मेल पटात ॥ ऊटको
छुडावति कर उते ऐंचो आवति जाति ॥ ४२६ ॥ झूठे हीं पियसों
झुकति बैननि मैं सतराइ ॥ करति रही नाहीं नहीं डारी मीडि ब
नाई ॥ ४२७ ॥ दोहे ॥ मन भावन कौं भावती भेटति रसउत कंठ ॥ बा
ही छुटै न कंठ तैं नाही छुटै न कंठ ॥ बरवै ॥ कर गहि लीन नमतरखा
लच गइ बाह ॥ लागि गई आव हियरव हि मुह मैं नाह ॥ ४२८ ॥ अथ
छोठौ हाव लछणं ॥ प्यारो षरो लजै जितो करै छिठाइ जाइ ॥ सके
न काहू सों तिया कहि छिठौ सुबनाइ ॥ ४२९ ॥ यथा ॥ सषिन के सं
ग अंग सहिज सिंगारै आइ जमना के कूल मिस नीर ही के उही ही ॥
तहां रसषां निद्धि स्यामबा निकसौं बनैं ठनैं अचानक परे डीठ मे
म मैं जुग ही ही ॥ डगमग होत पग चलबे की बेर फेर ठाठी है गइ अै

५५ सेकहिकहूंकहोहो॥ब्रजकेचबैयामोपैकरतचबाततेरीओर
110 हौंकहैयाकाल्हकबदेषिरहोही॥७२९॥कैसीहैछैठलषोब्रजकी
रघुनाथकछुगुनजातनगायो॥षेलतफागुगलीमैंअचानकआ
जगुपालकहूंगहिपायौ॥हैसुधिगारीकीऔपिचकारीकीवैकलि
यौइहभांतिसुहायौ॥जोकछुनायौसोनैषबनायोऔजोमनआ
यौसुनाचनचायौ॥७३०॥कछुकाजहिकेमिसुआवतजातति
रीछीनिहारिनिहारिहसैं॥अरुमंडनटाउकीटोंनसौंमारचलेरुब
हूगहिलेकैरसै॥इतलाजनलालसकोरतगातनिनीरमैंप्यारो
कितैउससैं॥अतिसांकरीषोरसकातनबालगुपालहिछ्वैढिग
ह्वैनिकसैं॥७३१॥षेलतफागुलषेपियप्यारीयोंसोसुषकीसम
ताकहादीजे॥देषतहीबनिआयौसमौरघुनाथकहाहूंजोबारनै

दीजै॥ ज्यों ज्यौं छबि लौं कहै पिचकारी लै एक लई अरु दुसरी लीजै॥ त्यौं त्यौं छबीली छकै छबि छैरै षिसुहे रहै सै नटरै षरी भीजैं॥४३२॥ ग्वारनि द्वै कनु जान गहै रसषान को ल्याइ ज सो मति नाइ॥ लूटत है बन मै कहै ये मन मै कहै ये रस लूटक हाइ॥ अंग सों अंग ज्यों ज्यौं लगि जात त्यौं त्यौं नही अंग निअंग समाइ॥ ये मचलै बिचलै पग एक सु वै पग चारक लौं चलि जाई॥
४३३॥ दोहा॥ ज्यौं ज्यौं पट झूटक तिह हठ तह सतिन चावत नैन त्यौं त्यौं निपट उदार हूं फगुवा देत बनै न॥ ४३४॥ ब्याह मोन की नीर मै मिसकै निकसै चालि॥ चिहूंटी लै छिगह कै देष रौ षिझायो लाल॥४३५॥ बरवै॥ फैंट षक रिक रिझगर सि देत

५५
112

सगारि॥ बिनदीन्हे कसू जैहै होफ गुवाम्वार॥४३६॥ अथ विहृतहाव॥ अलंकार द्वेतीनहीं हाविनाढै जिहि हाव॥ ताहि कहत बिछितियह जिनके सससुनाव॥४३७॥ मालतीकी मालतेरे तनकौ परसपाइ ओर मालतीनहूंतें अधिक सातहै॥ सोने तैं सरूप तेरे तनको अनूप रूप जात रूप न ष नतैं आछत सुहातीहै॥ सैनापति स्यांम तेरी सहज सुनासरी कैकाहे कौ सिंगार कै कै बितबतिरातिहै॥ प्यारी और भूषन हैं तेरौ तनतेरा बास अंगकी सुबास सबबासीजातिहै॥४३८॥ तैसी सितसारी सोहै गोरे गात बलबीर हेरि हरी आंगी कौ बरन तमतिमुरी॥ तैसी बाये बाह बीच पीत गुनकमलाकी मिह दीकी लाली तैसी करकाचकी चुरी॥ तैसी कंठ स्यांम पोत

113 जोतिहोतदूनीद्युतिदीपककेतरैंज्यौंअंधेरीआइकैदुरी॥आउ
हैलिलारमाहमोहनडिठौनांत्यौंहीअरूनकपोलबीचओप
नकीअंगुरी॥४४०॥दोहा॥तीजपरबसेतेनसजेभूषनबसन
सरीर॥सबैमरगजेमुहकरीवहैमरगजेचीर॥४४१॥नथनीगु
जमुकतानकीलसतिचारुशृंगार॥जिनपहिरैसुकुमारतनश्री
रश्रामनभार॥४४२॥किहिकारनएतेकरतिभूषनबसनअ
पार॥एकतिलकतुवभालकैजीत्तिसबसंसार॥४४३॥बरवै॥
मुहध्वावैकरनथनीधरिसउतार॥नाकबेधहियबरबटबेध
उनवार॥४४४॥नांवहिबेसरचुरीयानाहहमार॥किहकागुंथहु
गजरानौसरहार॥४४५॥अथहसितहाव॥रूपटरूपबातैकरै
नायकतियसोंजांनि॥तियारसीलीरसभरीहसिहसिहसित०

५७
११५

बषांनि॥४४६॥बोलकुबोलकहैछलसौंछिनहींछिनमैंकहैंग्रे
मनसैं॥ताहिसुनैंरसकीकहियैसषिजाकैसदारसरीतिबसैं॥
लालझुकावतैग्रापझुकैउतमापरबीनकेजीतिजसैं॥ज्यौंज्यौंमु
रारिमरोरिगहैंकछुत्यौंत्यौंतियामुषमोरेंहसैं॥४४७॥यथा॥रसग्रु॥
रँ नैंसकीबातकौंकहतछबीलेलाल॥ढिगबैठीमुसिकातिहैंयरी
रसीलीबाल॥४४८॥दोहा॥बरवै॥चाकरमैंपियचाइनदेतिस
गार॥दैकइनीकग्रनाकनिबिहसइनार॥४४९॥गेंदबलमत्त
किमारइफलबनक्यार॥मुरिमुरिबदननदुरावइबिहसइनार॥
ग्रथकेलिलछनं॥बालकछुरसषेलमैंढीठोदेपियपाससुक
बिकुसलतासौंकहतकेलिहावसबिलास॥४५०॥यथा॥छाडत
ग्रैंचतहीरसनिधिग्रौंग्रैंचतिरूपजबैकछुपावै॥हाथसहेली॥

115 कैदैफिरलैनिजसौंहदिवाइकैआपुबनावै॥ बिगरीकहैबांधौ
जूहहाकरिआरसीलैमरीबंकदिषावै॥ बालछबीलीसुहाग
छकिअनुरागसोंलालकोपागबंधावै॥५५०॥ रौबनावैकबि
तकछुअपनेरसप्यारीजुवाकोंसचारै॥ आंगेतैंकागतकाछिलै
जाइकहूंमसिलेषनिलैगहिडारै॥ कबहूतुकआधिकआपुही
बीचतैंजोरिपढेअरुफेरिसुधारै॥ नोंहमरोरनितोरतिरीछिनै
हेरतहीहसिनीचीनिहारै॥५५१॥ दोहा॥ लालचवतरसलाल
केमुरलीधरीलुकाइ॥ नाँहकरैनोहनिहसैदेनकहैनटिजाइ॥
५५२॥ बरवै॥ हरवाबलमबनावइमुतियनक्यार॥ तिहिकाध
नबिसरावहिडारहिछार॥५५३॥ अथबिप्रलंभश्रृंगारलक्षण॥
जंहदंपतिबिछुरैदोउबिप्रलंभतिहिजांन॥ ताहीसोंपुनिकह

५९ तहैं सुकबि बियोग बषांनि ॥५५३॥ अथ अन्य भेद ॥ इक पूरब अनु
116 राग अरु दूजो मांन बषांन ॥ कहि प्रबास तिजो बहुरि करुना चौथो ॥
जांन ॥५५४॥ अथ पूर्बानुराग ॥ बढै नेह जब दुहुनि कै देषै सुनै अ
छेह सो पूरब अनुराग हि मिलन न चहत तन रिनेह ॥५५५॥ यथा ॥ लोग
लुगाइन होरि लगाइ मिलामिल चारु न मेटत ही बन्यो ॥ देव जु चंद
न चूर कपूर सु लै लै लिलार लपेटत ही बन्यो ॥ वे तिहं ओसर आये
उहां समुहाइ हियो बस मेटत ही बन्यो ॥ कीन्ही अनाकनी यों मुष
मोरियै जोरि भुजान दू नेटत ही बन्यो ॥५५६॥ न्यो तें गये कहूं नैह ल
ग्यो मति रांम दुहु के लगै द्रग गाढे ॥ वे उचले फिरि कै घर को उत अंग
अनंग की आग के दाढे ॥ उचे अटा चढि कांधे सहेली कैं यों चित
ओ चित तैं हित बाढे ॥ मोहन जू मन गाढो कियें डग द्वै कचले फिरि

117 होतहै ठाढे ॥ ४५७ ॥ धाइकै जाइकहांनीसुनै निसनांतौ परोस
निकौतबहीसो ॥ हारनकै मिसिमालिनसौ मिलिबैठैतबोर
निवैजबहीसो ॥ नाइनह्वाइचितेरनिकैमनिहारनिकै चित
वैठवहीसो ॥ प्यारीसौ नेहलग्योजबतै तबतै पियनेहुकहयो
सबहीसो ॥ ४५८ ॥ ग्वारिगइइकह्यांकीउहांमघिरोकीसुतौमिस
केदधिदानकौ ॥ वातौनटूवहनेटीमुजांनरिनातौनिकासि
कछूपहचानकौ ॥ आइनोछावरकैमनमांनकुगोरसुदैसुरस
लैअधरानकौ ॥ ताहिरिनातैंगडौउरमैवहछैठबडौबडडीअ
खियानकौ ॥ ४५९ ॥ बोरलौ षेलनआवतीवैनतोआलिनके
मतममैपरतीक्यौ ॥ देवगुपालसौ भेटतीवैनतोयाबिरहा
नलमैजरतीक्यौ ॥ बापुरीमंजुलअंबकीबालिसौ मालसीहै

५९ 118

उरमैंअरतीकैसो॥कोमलकुकसौकोयलीयाकुककलेजनकीकी
रचैकरतीकैसो॥८६०॥सबहीमिलमोमनमोहनकीमधुरीमुसिका
निदिषाइदइ॥वहमोहनीमूरतमैनमइजबहींचितयोतबहीं॥
चितइ॥उनतौंअपनेंअपनेगृहकोरसबानिमलीबिधिगेलल॥
ई॥कछूमोहीकौंपापलग्योपलमैंबलिपाइकौपोरिपहारनइ॥
८६१॥बैछिजसोधाकेधामरहैबिनकांमसबीनहबाततबनावै॥
जैवेकौजेतेउपाइकरैमनजैवौंनहींकितहूंचितनावैं॥लैलैबि
दाघरकौडगरैबालिवैतौकरैपगतैतौनधावे॥लाग्योरहैमन
मोहनसोउगचाडचलेबहुरोंफिरिआवे॥८६२॥दोहा॥मोहन
निकसेवाटमैंहोफरकाकीओट॥सषीकरैजालागिगीकुहनीकै
सीचोट॥८६३॥छुटतमुठीसंगहीछुटिलोकलाजकुलचोल॥ल

गे दुहु नइ क साथ ही चल चित नैंन गुलाल ॥ ७६४ ॥ छला छबिलो
लाल कौ नवल नेह लहि नारि ॥ चाहति चूमति लाइ उर पहरति
धरति उतारि ॥ ७६५ ॥ बरवै ॥ भली गइ पनवट वाँ पनियाँ लैंन ॥
पानि न भरी गगरिया भरि गये नैंन ॥ ७६६ ॥ मान लक्षण ॥ त्रिबि
धि मांन सब कबि कह्यौ लघु मध्यम गुरु जांन ॥ मोचन हूं पुनि तीन
बिधि तिन कौ करत बषांन ॥ ७६७ ॥ अथ लघु मान लक्षण ॥ औ
न तिया तन हेरि तैं लषि तिय करै गुमांन ॥ बात निसतत छि
न छुटै ताहि कहै लघु मांन ॥ ७६८ ॥ यथा ॥ एक ही समै द्वै आनन न
फेरि कै पौढि रहे रस ही सौ रिसाने ॥ दोउ दुहूं को मनायौ चहै
सुमनावैं न ही लघुता निज मांनै ॥ आपुस मैं मति रांम कहै बि

६० 120

नबातकहैं अति हि अकुलांनैं॥ नैंकमुरैं मुषनैंन जुरैं मुसि
काइ गरैं गहिकैं लियटांनैं॥ ७६९॥ देषत औरतियां पियकौं ल
षिमांन छबीली कैं नैंन निछायो॥ पीतमयौंचतुराइकरीमति
रांमकछु परिहासबनायौ॥ रातिरची बिपरीतिजुरीतसुताकौंक
बितबनायसुनायौ॥ भूलिगइरिसिलाजनितैंमुसिकाइतिया
मुषनीचैंकौनायौ॥ ७७०॥ तौहीकौं छुटिमांनगो देषत हीब्रज
राज॥ रहीघरिकलौंमांनसी मांनकियेकीलाज॥ ७७१॥ बरबैं॥
घालिसकारिकुइलियांकहिससुजांन॥ हसिकइलागिहियरा
मुरिमुसिकान॥ ७७२॥ अथ मध्या मान लक्षणं॥ पियमुषतैं
भूलैं कहैं आंन तिया कौ नाम॥ सुनैं मांन नीहो हिजहैं सो मध्यम
अभिरांम॥ ७७३॥ यथा॥ सुनि औरतियापरप्रीतिकहूं अबही

121

हि परोषउ सेषति है ॥ काहि आवति है सु कहै सतराइ मनौ पिय ॥

आषिन पेषति है ॥ नव जोबन रूप भरी अपनै सम और न सुंद

रि देषति है ॥ सब लाइक आप मई अबला अबलान हि नैकु न

लेषति है ॥ ८७३ ॥ दोहा ॥ का हा लेहु गे षेल मै तजौ अटपटी बा

त ॥ नैकु हसौं ही है भई सौंहैं सोहैं षात ॥ ८७४ ॥ बरवै ॥ सोह बद

न कइ राषहु सो हह मार ॥ छूटइ नैकु न बल माटेउ तु ल्यार ॥ ८७५ ॥

अथ गुरु मान लक्षणं ॥ आन नारि कौ चिन्ह लषि मान करति

हु षु पाइ ॥ ताहि कहत गुरु मान सब छूटै पर सै पाइ ॥ ८७६ ॥ यथा ॥

मानि कह्यो मानिनी मनायो चहूं न मान्यौ कौ हूं रिस करि पौ

छि रही काम कीन कानि कै ॥ आये तहां लाल सषी चांपत चरन

देषी सैन दै उठाइ निज बैठे पग पानि कै ॥ प्यारे कौ परस जांनि

६२
122

जांनिकैअजानमइ नवल बिहारि तू निहालतिनन्यारी होहह
मतुमदौनौसंगसोङ्कैपटतांनिकैं॥४७७॥दोहा॥लखिगुरुजनै
बिचकमलसौंसीसछुवायौस्याम॥हरिसनमुषकरिआरसी
हियैलगाइबाम॥४७८॥बरवै॥बालमलीन्हमहाउरबिनइ
सआंनि॥करगहिह्यारहिसाधनमुरिमुसिकांनि॥४७९॥बिर
हबिथाअतिबढीहीप्रीतमबसैबिदेस॥तासौंकहतनवासहै
पूजततिन्हैनरेस॥४८०॥यथा॥ब्याकुलहीबिरहज्वरसोंकैसुनपाव
नजांनजनीनुजगाइ॥घोरिघनौरंगकेसरिकौगहिबोरिगुलालमे
बालरगाइ॥सासलइगहरीकहिरीउनसौंहमसौंअबकौनसगाइ
ऐसेनयेनिरमोहीमहाहरिहाइहमैंबिनहोरीलगाइ॥४८१॥हेस
जनीमथुरानगरीजबतेंसुनियैबरषारितुआइ॥लैरसषांनिस

123

नेहकीतांननिकोकिलमोरमलारमचाइ। चातिगश्रोरतैंऽ
मोरतैंदादुरलैश्रधरातकलोरठलाइ। येहोमदूवकहाकरि
येजोयेबैरीश्रहीरकेपीरनपाई।४८२। दो. भीतिरीतिश्रतिकठि
नहैयहजाननसबकोइ। मिलैंदुषीबिछुरैदुषीनेहीसुषीनहो
य।४८३। सोरठा। देदिदिननकेफेरपियबिनसबरितुफिरि
गइ। दिनबीततुश्रंधेररातिपरतदिनपरतहै।४८४। बिधना
जगउपजाइयैंमनुषदेहजिनदेहतू। देहतोनेहनलाइलाइदि
छोहौजिनकरै।४८५। नइबिथायहश्राजुबीतीहैहमयैंपथि
कहीयोहोब्रजराजगोकुलमैहोरीमची।४८६। बरवै। बिरहबि
थाकरिकौतकसुनहुनश्रोर। श्रबवांतरहेनिकसहुंश्रबबहुबोर।

६२ ४८७ ॥ अथ दशा अवस्था वर्णनं ॥ दोहा ॥ प्रथम तहां अभिलाष गनि
125 चिंता बहुरी बषांनि ॥ गुन कहिबौ संमृति बरणि पुनि उद्वेग प्रमांनि
४८८ ॥ कहि प्रलाप उनमाद इक ब्याधि सु जडता और अंत सरन द
मइ दसा कहत सुकबि सिरमोर ॥ ४८९ ॥ अथ अभिलाष दसा बर्णनं ॥
मन मैं बांछै चाह जो दुहुन मिलन के हेत ॥ ताही सौं अभिलाष लहि स
कल सुकबि कहि देत ॥ ४९० ॥ यथा ॥ पहिलै सतराइ रिसाइ सषीजु
हुराइ पै पाइ गहाइइ तौ ॥ फिरि नेरि निदून रि अंक निसंक बडे षि
न लै उर लाइइ तौ ॥ चंद्र मुषि मुष चंद तैं सुंदर स्त्रौ पिय प्रेम बढाय
३१ इ तौ ॥ अपनौ दुष औरन कौं पर हास सबै कबि देन बताइय तौ ॥ ४९१ ॥
मन भावत तौ आयौ कहै गो कोउ सुनि कै कब बारनै शान करै ॥ इह
द्वार की ओर बिलोकि कबै हंसि पाउडे कौल सैं नैन परै ॥ कबि केह

रिआवतदूरितैंदेषिकहैहमदेषिकैंपाइदरे॥ फिरिवेअकवारिप
सारिकवैंहसिहाइउठइलैअंकभरे॥४९२॥ कान्हबिदसतेआये
निरोतमयोंकहिहैंब्रजकोजनकोउ॥नेटहुंगीपगछूछतीयानरि
छाडिहूंनाहिघरीकलोंओउ॥वैठहुगीगुरुलोगनिमैंकरिघूंघटनैंन
निवाइकैंदोउ॥बोलिहैंलोगसबैदुलहीकहिहैंहैंसषीकबहूंदिन
सोउ॥४९३॥ कोउअनषाहुकिनकोउसतराउकिनकोउऊहराउ
कहाताकेडरडोलोगी॥ हरिकेसहिलमिलघरुकिनकरोकोउ
गांठकुलकानितैंपरीहैसोनषोलोगी॥अबतौबिकानीदधिदानी
कीहासीपरऔररंगकरिकाअगारअंगओलोंगी॥घावपनघटिया
अथैयाउबलैयाजांनैनंदकेललैयासौंललकआजुबोलोगी॥४९४
पहिचांनतजांनतलोगसबैजिनकैतननत्रासमहात्रसियै॥लाज

५२ 126

मिलैमनयौहुलसैंसषिनंदकौलालजहांलसियै ॥ कविगंगु
अकेली अकेलेसमैंमनकैतजिलाजजहांहसियै ॥ आवतिहै
इनिलोगनतैंमनमोहनलैंअनतैबसियै ॥ ४८८ ॥ द्वारिकाके
देसजाइजोगनकोभेषुकरिकान्ह२करि२ किंगरीबजाउगी ॥ म
थुराकेमंडलमैकैसौराइ२षार२वाहीमुषदेषि२वहैध्यांनध्याउ
गी ॥ फूलनकीमालाबनमालाबांधौठौर२एक२बंनपाछेज्यौंप
रीबनांउगी ॥ कालिदासकालिंदीसुबसबांमबृंदाबनकुंजनीमैंजा
इबसौंकबहूतौपाउगी ॥ ४८३ ॥ दोहा ॥ यौंकहिहैकोउअहोआये
नगरिमुरारि ॥ कतमलीनबैठीमदूनूषनबसनसवारि ॥ ४८४ ॥
दोहा बरवै ॥ होइउहीदिनसजनीजगिहैंभाग ॥ पियमहिक्या
रकरिजवांरहिहैलागि ॥ ४८५ ॥ जारउउचित्रटरियापलिंगर

127

तील॥ पियसंगनीकिङुपरियांझिलगाछील॥४९६॥जारहुंल
लचुनरीयांअंगीयारंग॥नीकीलगतिकबरिया पियकेसंग॥ऽ
४९७॥बालमरेमोरैबालममरतजिवाइ॥अपनीरसहुंअं
गुरीयाछतियालाइ॥४९८॥पषवहिंकीपषछहियाअसमन
होइ॥दैप्रीतमगलबैयांरहियेसोय॥४९९॥धनिधनिजोइ
किसनियांसुरपीहाथ॥षेतनिरावहिंआपुनपियकेसाथ॥५००॥
अथ चिंता लछण॥ पियमिलबेकोचिंतवनवहैरहेमनमां
हि तासोसबचिंताकहतजेसुबुधिकबिआहि॥५०२॥यथा॥
कछुओरउपायकरैजिनरिइतनैदुषसुषसोमरवी॥फिरि॥ऽ
अंतकसौबिनकंतबसंतसुआवतजीवतहीजरवी॥बनबौ
रतबौरीहेजाउगीदेवसुनेधुनिकोकिलकीडरवी॥जबडोलि

५४ 128

हैंअोरअबीरनरीसुहहाकहिबीरकहाकरवी॥५०१॥मोहन
माइनयेमथुरापतिदेवमहामदसोमननमांतौ॥कोरैयरैअबु
कूबरीकेहरियासौकियौहमसौहितहांतौ॥गोकुलगावकेगो
पगरीबहैवासुबराबरहीकोईहांतौ॥बैठिरहोसुपनेहूंसुन्योक
हूंराजनिसौंपरिजोंनिसोनांतौ॥५०२॥दोहा॥कीनैउकोरिक
जतनअबकहिकाढैकौंन॥जौमनमोहनरूपलषिपांनिमैकौ
लौन॥५०४॥हियेबिचारतिथिरकरतमंडनलोइनलोल॥अं
तरिछितनतियलषतिधरिकैहाथकपोल॥५०५॥कूबकीध्यांन
लगीलषौयहघरलगिहैकाय॥इरियतअंगीकीटलोमतिवहहि
हूजाय॥५०६॥सोरठा॥जेउपजीजीयमाझकौनसुनैकासौंकहौं॥
नइकुयेकीछांहज्यौउपजीसोहीरहै॥५०७॥बरवै॥काटहुंपेडपउ
रियहिकरिहूंगुहारि॥जिनमोरैमवसनरपेसाजसवीर॥५०८

129 अथ गुनकथनं ॥ जह मीत मअंग ग के गुन गन करै बषांन ॥ तासों
बरनत गुन कथन जे कबि रसिक सुजांन ॥ ५०९ ॥ यथा ॥ गोकुल कौं ग्वा
र आजु चौमुहाँ की ग्वारिन तैं चाचरी रचाइ करि धूंधरि मचाइगो
हियैं हुलसाय रसषांन तांन गाइ अति रंग उपजाइ सब गात लल
चाइगो ॥ पिचकारी चलाइ औ र जुवती निजाइ नैंकु लोचनन चाइ
मेरे अंगनि बचाइगो ॥ सासहित चाइ गोरी ननद न चाइ गोरी बैरि
न सचाइ गोरी मोहि सकुचाइगो ॥ ५१० ॥ द्वार के दीन्हें किवार रहै
अरु गेह में जागत लोग घनेरो ॥ चारु पसार सुधानिधि होइ रह्यो
दसहू दिसि बीचउ जेरो ॥ ऐसे समै रघुनाथ कहा कहैं धौं मोहन आ
यो महा छबि छेरो ॥ डीठ बचाइ कै छीठ निजै गयो केसर कै रंग सौं
अंग मेरो ॥ ५११ ॥ दोहा ॥ जात सयांन अयांन हैं वे ठग काहि ठगैं न

५५
130

कोललचाइनलालकेलषिलल चोहैंनैंन॥५२२॥बरवै॥बालम
बसतहियरवामिलननहोइ ज्यौंपांनीकरचंदनछुवैंनकोइ॥५
५२२॥अथसमृतिलछणं॥दोहा॥पियकीलीलारूपरससुमरन
करैजुबाल॥तासौंस्मृतिकहतहैंजेकविबुधिबिसाल॥५२३॥यथा॥
तीरथनीरमैंन्हूलिगइनेकुछूटिगइमोहिधाइकीबांही॥हौंमृटकी
नटकीनिकसीसुकुटबजसोमतिजोजिहघांही॥रसषांनहीयेमें
समाइगयोबसतोहिहुतौकबकोहियमाही॥नोतिअनेकभुला
इरहीउहिश्रौसकीभूलनिभूलतिनांही॥५२४॥रावरोरूपरह्योभ
रिनैननिबैंननिसैननिकेश्रुतसांनो॥गातमैंदेषतिगाततुम्हारेइ
बाततुम्हारियबातबषांनौ॥उधोहहाहरिसौंकहीयोतुमहौनइ
हांस्यपहहौनहिमांनौं॥यातनतेबिछुरेतौकहामनतेंअनतें

१३। जुबसौं तबजांनौ ॥ ५२५ ॥ सुरति स्मृति स्वेद कन जल कन अधऽऽ
मुली पलकन आंनंद सौं ललकन बलकन बातीकी ॥ लंककी
लच निसकुचनि कुचउचकनि चीरमुषरुचनि मचनि रातिऽऽ
रातीकी ॥ चितचुनी चुंबनि आलिंगन कै मुसिकांन नासिकाऽऽ
मरोरि बहसि सिसिक सुहातीकी ॥ बेसर की थरकनि बलैयाकीऽऽ
करकनि कंचुकी कीदरकनि धरकनि छातीकी ॥ ५२६ ॥ दोहा
लहि सूनौ घर करगहत दिषादिषी कीइ ॥ गडी सु चित नाहीऽऽ
करन करि ललचौंहीं दीठि ॥ ५२७ ॥ चितवनि भोरे भाइ की गोरे मु
ह मुसिकांनि ॥ लागत लटकी आलि गरै चित षटकत नित आन
॥ १९ ॥ अथ उद्वेग दसा बरननं ॥ जिते सुष संसार मैं तिते दुष
द ह्वै जाहि ॥ ताहि कहत उद्वेग कबि लषि रस ग्रंथनि मांहि ॥ ५२८
यथा ॥ कछु न सुहाइ बिन देषै हरि हीन जाइ हियौ अति अकुऽऽ

५५
132

लाइ ऐसी कछु करिगो॥ नीलकंठ रुचिर सुहाती चितवनि वह

थाथी सी हसनि मेरी छाती पर धरिगो॥ चंदन मैं चांदनी मैं यौ॥

न अरुयांनी हू मैं फूलन दुकूलन दावानल न रिगो॥ कहां ते हौं॥

आइ दुष हाइ पन बट माइ कहां ते कन्हाइ मेरी आषिन मैं परिगो॥

५२०॥ दोहा॥ चलत२ लौं ले चले सब सुष संग लगाइ॥ ग्रीषम बा

सर सिसिर निस पिय मो पास बसाय॥५२१॥ बरवै॥ काहे कौं फूलिय

डरिया हमरइ देस॥ कि हि काहा रंगु था वहूं पियपरदेस॥५२२॥

बालम सेज सरपनइ मुहि न सुहाइ॥ जिहि२ करवट लेउ समुड सि

र जाइ॥५२३॥ अथ प्रलाप दसा॥ दोहा॥ जहां बिरह ते कहत है औ

रै औरै बात॥ तासों कबि कोबिद सबै कहत प्रलाप सुजात॥५२४॥

यथा॥ चाषि कै चष कै चष नरी चोषो छबि छाती तौ मैन छत छि

ति परी पीर छतिया की हौं॥ गोकुल के छैल पद्देगूब्बनरौल॥

133 हौअकेलीइहगैलतोहिएलकरिथाकीहौ॥मंदमुसिकाइले ऽ
समाइजीमैंल्याइलैरेप्याइलैपियूषप्यासीअधरसुधाकी
हौ॥मेरेसुषदाइदैरेदेवतूंदिषाइनेकुएरेब्रजभूपतेरेरूपरस
छाकीहौ॥५२७॥मोहितुलैअंतरगिनैंगुनीतुममेरेहौमैंतुम्हारी
हौंतउनपिगलनहौ॥पूरिरहेयातनमैमनमैंनआवततहौपंचपू ऽ
छिदेषैकहूंकाहूनमिलतहौ॥उचैचढिरोइकोइदेतनदिषाइ
देवगातनकीवोटवैठिबातनगिलतहौ॥असेनिरमोहीमहामो
हीमैबसतऔरमोहीतेनिकसिनेकुमोहिनमीलतहौ॥दोहा॥ऽऽ
नितमोसोंतबकहततहेएकप्रानविवदेह॥अबतनअंतजराव
इकतवेस्यामसनेह॥५२९॥आषीनआगेबलमाद्रिपियैंछछधा
इनहियरैंलागहिअसमनगाढ॥५३०॥अथउन्माददसालछण॥

६७
134

बिरह बिकल हैहै कैं जहां करति ओर की ओर ॥ ताहि कहत उनमा
दसब कबि कोबिद सिरमोर ॥ ५७१ ॥ राधिका कांन्ह को ध्यान धरै
तब कान्ह है राधिका को गुन गावै ॥ सो असु वां बरसैं बरसां नैं कु
पाती लिषे लिषि राधे को ध्यावै ॥ राधे है जाइ तिहि छिनु देव सुप्रेम
की पाती लै छाती लगावै ॥ आपतें आपु ही मै उर कै सुरझै बिरझै स
मुझै समुझावै ॥ ५७२ ॥ नां यह नंद को मंदिर है बृषभांन को भौंन न ज
हां जकती हो ॥ हों ही इहां तुमही कबिदेव जू कोंन कैं घूंघट कैं तकु
ती हौ ॥ भेटती मोहि न टु किहि कारन कौन की धौं छबि सौं छकि
ती हौ ॥ कैसी भई सु कहौ किन कैसे हो कान्ह कहां है कहा बकती
हौ ॥ ५७३ ॥ जांनत हौं कि गये मथुरा चढि मारन कंस छुडावन औ
ले ॥ फागके आवत जैसी दसा भई सो रघुनाथ सुनौ मनजौं लो ॥

135

सुधिहोरिकेषेलनकीभुलइसगरीसुधिनंदकेटोलै॥ फेंटगु
लालनरैपिचकारीलैबालगुपालहिढूंढतिडोलै॥५३४॥दोहा॥
रोइउठैछिनहसिउठैछिनउठिचलैरिसाइ॥ बौरीकरीबनाइ
तेरूपठगौरीलाइ॥५३५॥बरवै॥ लैकरिकागरूपतियहिलिष
इप्रबीन॥ पियहैलिषीसनेहाहीयनरिलीन॥५३६॥अथव्याधि
लक्षण॥ बिहसिबिपतिअतिपीरचितपरतिपियरइगात॥ व्याधि
कहततासोंसुकबिजेसनिकबितअवात॥५३७॥ गतिमइमति
गइबोलबेकीजतगइकुलहूकीपतिगइपरीप्रेमभीरसी॥ लोक
लाजबछिगइनीदभूषघटिगइदेहदुतिमिटिगइअधिकअधूी
रसी॥ जमुनाकेकूलनबजाइकान्हबंसीसेषमुषकोजगीरमानो
हेगइतगीरसी॥ माइनकेघाइनतैघाइलभयोहैमनआंषिन
तेंआंसूजाततटाडेकीबहीरसी॥५३८॥दोहा॥ दुसहबिरहदा

५९
136

रूनद्सारह्योनञ्योरउपाय॥ जात२जीवराषीयेपियकीबात॥
सुनाय॥५३९॥बरवौ॥ हूरस्बूरनमुहकरइपियकेबियाग॥
कौनदिसामुहिपूछहिबवरलोग॥५४०॥अथजडता॥दोहा॥
जहांबीरहबसिचित्रसौरहैंअचलहैबाल॥ ताहिकहतजड
तासबैजेकबिगुनीरिसाल॥५४१॥यथा॥ जांनेनसुबासरहैं
रागरंगतेंउदासन्नलिगइसुरतिसकलपानषानकी॥ कबिम
तिरांमइकटकअनमिषनैनबूझेंनकहतिबातसमुझैनआं
नकी॥ थोरीसीहसनिसोठगोरीअैसीडारिकरिबौरीकरीभोरी
तेकिसोरीब्रषभानकी॥ तवतेंबिहारीवहनइहैपषानकीसी
जबतेंनिहारीछबिमोरकेपषांनकी॥५४२॥दोहा॥ अनमिष
लोचनबालकेयातेंनंदकुमार॥ मीन्चगइजरिबीचहीबि
रहानलकीझार॥५४३॥ बचनबिलोकनिसाससबसिथ

137 लनइवहबांम ॥ कछुकरोमंचितहोतहैलियैंतिहारौनांम

५४४॥ बरवै॥ बरिगयौहाथउपरीयाारहिगइआग॥ वरकीयोरि

बिसरगइगोहनलाग॥५४५॥दोहा॥ मरनदसाक्योबरनीयेंपर

मप्रेमरसमांहि॥ जिनकेपूरनप्रेमहैसदाअमरतेआहि॥५४६॥

अथकरणारसलछणं॥ जौकेवलजीवततौसुनैक्योंहूमिल

नबनैन॥ तहउपजतकरुणाबिरहजहहूतातेक्रूतमैंन॥५४७

॥ मैंपठइमतिलैनसषीसुराहीमिलिकोमिलिबेकहूंआंनै॥ जा

इमिलेदिनहीदुगइहूतदयालसौंदेहदसानबषांनैं॥ प्रेरतुयेंज

कियेंतनप्रानननजोगकेऔरप्रयोगनिधानैं॥ लाजतेंबोलनपा

उनकेसबऐसेइकोउकहाइहषजांनैं॥५४८॥दोहा॥ हेकोउऐसो

कहूंकहैहमारोहाल॥ ।बिनतीमेरीसषिसुनौकहूंमिलैनंद

लाल॥५४९॥बरवै॥ बालमसुरतबिसरइकहतसंदेस॥५५०॥

६९
138

भयो बिरह कौ दुष बहि यहि यं देस ॥५५०॥ जोगिनि है जग छू
हूं मुद्रा कान ॥ पिय का अंत न पाउं जनम सिरान ॥५५१॥ अथ सषी
लक्षण ॥ जाति य सौं न हिं नाइ का कछू छिपावै बात ॥ तासौं बर
नि सषी कहत जे कबि मति अवदात ॥५५२॥ मंडन अौ सिष्या
करन उपालंभ परिहास ॥ काज सषी कौ जांनियै अौरौ बैठि
बिलास ॥५५३॥ अथ मंडन ॥ जावक रंग र ग्यो पग पंकज नाह
कौ चित रंग रैं गै जातैं ॥ अंजन दै करौ नैंन निमै सुष मा ब ढ्यां
म सरोज अजातैं ॥ सौंने के भूषन अंग रचौ मति रांम स बैं बस की
बे की बातैं ॥ यौं ही चलैं न सिंगार सुभायन तें सषि न्हलि कहीं स
ब बातैं ॥५५४॥ दोहा ॥ लोने मुह डीठ न लगै यो कहि दीनो ड्ड ठ ॥
दूनी है लाग नि लगी दियें डिठौना डीठ ॥५५५॥ बरवै ॥ मोतियन
क्यार गजर वहही यराहार ॥ पैंधि चलउ किन ह्यार इ बादतु

139

म्हार ॥ ५५६ ॥ अपरसित ॥ हेरतिबारहीबारउतैतूंरीबावरीछै
लकहांधौंकरैगी ॥ जौकबहुरसषोनलषैफिरिकौंनबीररी
धीरधरैगी ॥ मोनिहैकाहुकीकांनिनहीजबरूपठगीहरिरंग
ढरैगी ॥ यातैंकहूंसिषमांनिमटुयहहेरनित्तेरेइपैंडपरैंगी ॥ ५५७
॥ ऊकतजरोषाझुकिरीझिआनंदसौंनुइरिझिवारिक्यौंहूंमां
नतिनुसषियन ॥ मैंकहिकिमामकलौहाहानेकुसुनिबात
काहेकौंतरेरोत्योरकरतिअनषियन ॥ प्रेमपासपरैजिनकछि
बौकछिनआलीचितमैंसमुझिलषिलाजपरीझषियन ॥ ५५८
दोहा ॥ बहकिनइबहनापनेजबतबबैरबिनास ॥ बचैनबडी
सबीलहूंचिलघुसआमास ॥ ५५९ ॥ बरवै ॥ तुहिसनकहिसन
सैबांचछिनअयारि ॥ परिहसिडीठछइलवाकसतितवारि ॥ ५

१ ६० 140

५५९ ॥ अनुउराहनो ॥ नायकासौ ॥ अवरही नित हीलरायै करति
कहा अनरस पति सौं जारो जात जान्यौ है ॥ हमारे तौ प्रान प्रीति
धन मन वारि रह्यौ आठौ जाम आन्यौ है ॥ पातक रिबीछू कोउ
गात पर आनत है रावरौ सयान न हमारे मन मान्यौ है ॥ काहे होत
वही मैं न तुम सौं कहि हीयसेय कौसो काटौ धरवे ही काज आन्यौ
है ॥ ५६० ॥ नायका कीइती कोउराहनो नायकसौ ॥ तुम पै यह टेव न छू
टति जू अबकै सैरहे रसरीत जुरी ॥ कविषेमभने वह कौन हुती इ
तराति किवार की ओट हूरी ॥ कहियै व कहा मनमोहन जू वह आ
पनी आंषिन देषि जुरी ॥ तबते हि रहै नटरै तिय के हियते रिस दां तू
नि तै अगुरी ॥ ५६१ ॥ औं सियेसू षाइ तब ही तै जिय आइ तुम कहे
को गुपाल असे रस नीजियतु है ॥ आपमन फेरि लीनों असो सु

141

न्योप्यारेलालताहूकौतौमनकौनपेरिझीजियतुहै सुषीहो
जूकांनतुम्हेंऔरकी निकांनिकछूसोइजनजांनेंजाकोतनछी
जियतुहै॥ बिनाप्रीतिप्यारेकोउकाहेकौपरेषोकरैंप्रीतिहीकोप्रीतमपरेषोकिजीयतुहै॥५६२॥ गौनेंकेद्यौसकहैमतिरामस
हेलिनकोमिलिकैगनिआयो॥ कंचनकेबिछुवापहरावतप्यारीसषीयहहासबढायो॥ प्रीतमसंगसमीपसदाबजियोंकहि
कैपहिलौपहिरायो॥ कांमिनकंजचलावनकोकरउंचोकीयो
पैचल्योनचलायो॥५६३॥ दोहा॥ षाटेफलआगेंधरेसषीआं
निमुसिकाइ॥ पियसमीपप्यारीपियारहीसकुचिसिरनाय॥
५६४॥ बरवै॥ सिथलनललअंगनूलीसंकसमानार॥ डारिसमीढि
नूतइबारजनार॥५६५॥ अथदूतीबरणनं॥ कहतिसंदेसोढु

हुनकौदूतीताहिबषांउ॥उतममध्यमअधमकरितीननांति
सुगनाउ॥उतमादूती॥हितकीबाततिसोंकरतिबसचितचोप
बढाइ॥उतमदूतीकहतहैंताहिसबैकबिराय॥५६॥यथा॥मैंतु
म्हैंबताउघातआपक्यौनआरतिराषोगीउधारौतारौसांकरीसु
ढीलीहैं॥मेरीवाकीपरजंकढिगहीबिछौनाभानमेरीसोरसेतवा
कीबांधनूरंगीलीहैं॥जबैतुमजाइउरलाइलिपटाइलैहौलाज
निनबोलिहैयोंअतिहीलजीलीहै॥असैजोमनाइहारौहाहाक
रौपाइपरौमांनिहैनक्यौहूंमहागरबगहीलीहै॥५६७॥दोहा॥जोवा
केतनकीदसादेषौचाहतआप तौबलिनैकबिलोकीयेचलिअ
चकाचुपचाप॥५६८॥रहीलटूहैलालहौंलषिवहबालअनूप॥
कितौमिठासदीयोदइइतेसलौनेरूप॥बरवै॥बतियनकहतपु

143 हपवाइरतसुजान॥ चहुतनधिरतमधुपवाउहितनश्रान॥ अ
थमध्यमाद्तीलक्षणं॥ हितकेअनहितकेबचनबोलतिजोस
तभाइ॥ ताहिंमध्यमाकहतहैंजेप्रबीनकबिराय॥५८०॥ यथा॥
आदरअलापछोडिआगेतैंअनषउठीमेरेमुषबोलएकआक
असौआइगो॥ कहैकबिगंगवाकेअंगकीनिठुरताइकहियेक
हालौंसीलसिगरौबिकाइगो॥ आपुहीसिधारोबीचदूसरीबि
चारौजिनहिलैमिलैनैकुनेकुसेकसौसुहाइगो॥ अंचराकीअ
चाअंचीअंगियाकीछोराछेरीछातियाछुवतलालछूटिमा
नजाइगो॥५८१॥ दोहा॥ संगतिदोषलगैसबनिकहितयतसाचे
बैन॥ कुटिलबंकनुसंगतैंभयेकुटिलगतिनैन॥५८२॥ बरवै॥
बालबेलअससुषीसबिरहतुम्हार॥ हरितमसुधिहुनलिजीयै॥

८२
१५५

नेहबिसार॥५७३॥अथ अधमा अवर दुती॥बोलति हैं सतराइ कै अधमा की यह रीति॥देसकाल समुझै नहीं अरु उपाय रस रीति॥
५७४॥यथा॥जांनत न कछू पै कहीं बतरसि कराउ ल्याव ल्याव अब ही तिहारी यह टेक हैं॥कूर निकी रीति हैं जुडेला ऐसे छ
रि देत मति राम चतुराइ चतुर लियै कहैं॥बोली नान वेली
कछु बोली सतराइ वा हि मन सिज औज कै सुहां नौ कछु से
कहै॥बात के सुनत अगरात अलसात गात सोहैं करि नैन बि
हसौ हैं नइ नैकु है॥५७५॥मान सतै चूक परै मोन सैं सहतु तू
तो कैसे हूं न मांनति मनाइ क्यौं न थकिये॥हम हू तौ तेरी जक
जानि हैं पै कहा कहै लाल की लगानि दै बि तो सो फेरि बकियै॥
अजहूं समुझि जिन जी को तत रसाइ ये री रस मिटि जाय ऐसे

१४५

रिसमैंनछकिये॥ मानुकहानागुहैंकिपरमसुहागहैकिपीको
अनुरागहैजुकैसैंछोडिसकिये॥५७६॥ दोहा॥ जोबनमडितआ
पनोंअजोंनजानतिगात॥ तोचितमैंअतिचटपटीनेपटअनो
षीबात॥५७७॥ गहलीगरबनकीजीयेसमैसुहागहीपाय॥ जिय
कीजीवनजेठहूंमाहनछाहसुहाय॥ बरवै॥ फिरिकैंसुधिहुनली॥
जीयेचैटकलाइ॥ उहिकरतसंदिसवातुहिसनआइ॥ अथस्वयं
दूतलछण॥ करतदूतपनदंपतीकाहूबुधिबलआप॥ स्वयंदू
ततासोंकहतकबिकुलीनकरिछाप॥५८०॥ कुंजकुंजगुंजतन
वरनीरनोलानाथलवलालतानुमध्यललितसुहायेधाम॥
तीरतीरतरूनतमालतरूडारनपैकरतपुकारकीरगीरमंजु
पिकग्राम॥ फूलेकुंदकोसततेसुगंधलैलैमंदमंदसीकरसमीक

र समीरदुलैंअनिरांम॥ तपन तपत थके पंथिन पथिकनेकु
सीरीछाहजेठकी निवारोघामघनस्यांम॥५९१॥ दोहा॥ घांमघरीकु
निवारीयेकलित ललित अलिपुंज॥ जमनातीरतमालतरु
मिलतमालतीकुंज॥५९२॥ बरवै॥ कसकजुफलसवारहइवन
त्योन॥ महिकाकलसम नगवाछइलसुजान॥५९३॥ दोहा॥ स्थाई
भावहिअादिदैबरन्योरसशृंगार पढतसुनत जिहिहोतहै रस
यरसशृंगार॥५९४॥ इतिश्रीबिरहशृंगारनोलानाथकृतिस
धासरोवरग्रंथसंपूरणं मितिमागशुदि ऽऽसोमवार संबत १९८७
कादसकृतलालाबलदेवमु-राजगढमध्येलीषीसंतोषरांम
जीनागरकीप्रीतसुं॥२॥